● वर्ष-2
● अंक-203
रायपुर, रविवार
16 अप्रैल 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmailÐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 16 अप्रैल रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 18 अप्रैल मंगलवार को प्रकाशित होगा।

पुलवामा पर मलिक के दावे कितने गंभीर

कभी मोदी को बताया कश्मीर के लिए बेस्ट प्रधानमंत्री तो राहुल को पिटवाने की बात कही

नई दिल्ली। मेघालय के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक इन दिनों अपने बयानों की वजह से लगातार सुर्खियों में हैं। कभी जम्मू कश्मीर आतंकी घटना को लेकर बयान सामने आता है तो कभी किसान आंदोलन के मुद्दे पर केंद्र और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच मध्यस्थता की बात कह डालते हैं। लेकिन अब सत्यपाल मलिक के एक बड़ा दावा किया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने दावा किया है कि वह 14 फरवरी, 2019 के पुलवामा हमले के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संपर्क में थे, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे और प्रधानमंत्री ने उनसे कुछ खामियों पर चुप रहने को कहा था। कांग्रेस ने ट्वीट में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का बयान शेयर करते हुए ट्वीट में लिखा कि नरेंद्र मोदी जी जी, पुलवामा हमला और उसमें 40 जांबाजों की शहादत आपकी सरकार की गलती से हुई। पुलवामा पर सत्यपाल मलिक की बात सुनकर देश स्तब्ध है।

सत्यपाल मलिक का दावा

अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे मलिक ने द वायर के लिए करण थापर को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ द्वारा अपने कर्मियों को ले जाने के लिए मांगे गए पांच विमान उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में सुरक्षा व्यवस्था में चूक हुई थी। एक काफिले में सड़क मार्ग

से जा रहे कर्मी और एक घातक आतंकवादी घात का निशाना बन गए। मलिक ने कहा कि सीआरपीएफ के लोगों ने अपने लोगों को ले जाने के लिए विमान मांगा था, क्योंकि इतना बड़ा काफिला आम तौर पर सड़क मार्ग से यात्रा नहीं करता है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय से अनुरोध किया गया था, लेकिन उन्होंने देने से इनकार कर दिया। मलिक ने कहा कि अगर उन्होंने मुझसे पूछा होता, तो मैं उन्हें विमान दे देता। उन्हें पांच विमान चाहिए थे। यह प्रदान नहीं किया गया था। मैंने उसी शाम प्रधानमंत्री को (यह) बताया ज कि ये हमारी गलती से हुआ है। अगर हम एयरक्राफ्ट दे देते तो ये नहीं होता। उन्होंने मुझे कहा कि तुम अब चुप रहो। मैंने उनसे कहा कि यह हमारी गलती थी और मैंने पहले ही कुछ चैनलों को यह बता दिया था ज उन्होंने कहा कि यह सब मत कहो ज ये कोई और चीज़ है ज. वो हमें बोलने दो।

मोदी को बताया था बेस्ट पीएम

केंद्र की कश्मीर पॉलिसी को लेकर कौन सी सरकार बेहतर थी पूछे जाने पर सत्यपाल मलिक ने साल 2018 में दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि नरेंद्र मोदी सरकार सबसे बेहतर है। 80 हजार करोड़ रुपए मोदी सरकार ने कश्मीर के विकास के लिए दिया है। बातचीत, भावना की बात करें तो अटल जी बहुत अच्छे थे। लेकिन विजन और व्यावहारिकता की बात करें तो मोदी जी बेस्ट हैं।

राहुल को लेकर विवादित बयान

सत्यपाल मलिक इन दिनों बीजेपी के धुर विरोधी जरूर है, वहीं कांग्रेस उनके बयानों को ट्वीट भी खूब कर रही है। लेकिन इसके साथ ही उनका एक पुराना बयान भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें वो कहते नजर आ रहे हैं कि राहुल गांधी के लिए मैं इस लिए नहीं बोलना चाहता कि वो देश के प्रतिष्ठित परिवार का लड़का है। लेकिन उसने पॉलिटिक्स जुवेनाइल की तरह व्यवहार किया है। यही वजह है कि यूएन में उनके बयान को पाकिस्तान की चिट्ठी में दर्ज किया गया है। ऐसा नहीं करना चाहिए था। उनके विरोधियों को कुछ कहने की जरूरत नहीं है। बस उस दिन वे सिर्फ ये कह देंगे कि ये 370 के हिमायती है। लोग जूतों से मारेंगे।

कैसे बने कश्मीर के राज्यपाल

सत्य पाल मलिक 2019 में जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल थे, जब पूर्ववर्ती राज्य ने संविधान के अनुच्छेद 370 के रूप में ऐतिहासिक परिवर्तन देखे थे। सरकार ने अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म कर दिया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया। महीनों बाद, सत्य पाल मलिक को गोवा के 18वें राज्यपाल के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया। सत्य पाल मलिक ने अक्टूबर 2022 तक मेघालय के 21वें राज्यपाल के रूप में काम किया। लेकिन राज्यपाल बनने के बाद उनका एक सेम पैटर्न देखने को मिला। जब भी वो किसी दूसरे राज्य के राज्यपाल बनते तो पिछले वाले की बुराई करने लग जाते। बता दें कि मलिक कश्मीर से पहले बिहार के राज्यपाल थे। फिर जब वो गोवा पहुंचे तो अपने तल्ख बयान जारी रखे। यहां उन्होंने कहा कि गोवा में कोरोना काल में हर मामले में भ्रष्टाचार हो रहा था। मैंने प्रधानमंत्री को ये बात बताई थी।

कांग्रेस ने किया सवाल

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपानीत केंद्र सरकार पर यूनतम शासन और अधिकतम चुप्पी का आरोप लगाया और जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक की ओर से किए गए कथित खुलासों पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा, सरकार न्यूनतम शासन और अधिकतम चुप्पी के सिद्धांत पर विश्वास करती है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर सवाल उठाना जारी रखेगी। पार्टी नेताओं पवन खेड़ा और सुप्रिया श्रीनेत के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने लोकतंत्र के प्रतीक के रूप में इमारतें बनवाई हैं लेकिन लोकतंत्र गायब है।

पुर्व प्रधानमंत्री मोदी से विचार करने का आग्रह किया

महिला आरक्षण का अब समय आ गया- देवगौड़ा

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2024 के आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण विधेयक पारित करने पर विचार करने का आग्रह किया है। जद (एस) संरक्षक ने प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार के पास संसद में बहुमत है और वह इसे पारित करने में सफल हो सकती है। विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देना एक ऐसा विचार है जिसका समय आ गया है। उन्होंने कहा, जब चुनाव आयोग ने हाल ही में कर्नाटक में चुनाव की घोषणा की और राज्य में योग्य महिला मतदाताओं की संख्या जारी की, तो यह आश्चर्य की बात नहीं थी कि वे कुल मतदाताओं का लगभग पचास फीसदी थीं। भारत के अन्य राज्यों के आंकड़े अलग नहीं हैं। इससे मैंने विधानसभाओं और संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण पर फिर से विचार किया। 10 अप्रैल को जारी एक पत्र में उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि प्रधानमंत्री के रूप में वह 1996 में संसद में महिला आरक्षण विधेयक लाए थे, लेकिन इसे पारित करने में असफल रहे। बाद में 2008 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा किए गए प्रयास भी तार्किक निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे। देवगौड़ा ने कहा कि दोनों बार जब विधेयक पारित करने

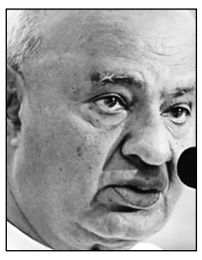

का प्रयास किया गया तो सरकारों के पास बहुमत नहीं था और वे अपने गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर थीं। उन्होंने कहा, आपके (मोदी) मामले में आप भाग्यशाली हैं कि आपके पास संसद में बहुमत है और हो सकता है कि आप इसे पारित कराने में सफल हों। उन्होंने आगे कहा, इसलिए मैं आपसे 2024 के आम चुनावों से पहले महिला आरक्षण विधेयक पारित करने पर विचार करने का आग्रह करता हूं। 1996 और 2008 में प्रस्तुत विधेयक के मसौदों में उपयुक्त संशोधन किए जा सकते हैं। सामाजिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करना लैंगिक न्याय के लिए इस महान कदम की सफलता की कुंजी होगी। उन्होंने कहा कि विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देना एक ऐसा विचार है जिसका समय आ गया है। यह इस विधेयक को लाने और इसे पारित करने के लिए एक प्रतीकात्मक संकेत होगा, क्योंकि हम एक नए और बहुत आधुनिक संसद भवन में परिवर्तित हो रहे हैं। हमारी माताएं और बहनें हमसे बेहतर की हकदार हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि जब भारत जी-20 का नेतृत्व करेगा तो महिला आरक्षण विधेयक पर विचार करने से दुनिया को सकारात्मक संकेत जाएगा। यह दुनिया को बताएगा कि हम अपने लोकतंत्र के बारे में गंभीर हैं और इसे गहरा करना चाहते हैं।

ये है भैंस नंबर वन जो हरियाणा से रखती है तालुक

नई दिल्ली। हरियाणा के हिसार में एक भैंस ने खास रिकॉर्ड कायम किया है। यहां मुर्रा नस्ल की भैंस गंगा है जो कि इन दिनों काफी चर्चा में आई हुई है। दरअसल इस भैंस ने 31 लीटर दूध देकर खास रिकॉर्ड कायम किया है। गंगा भैंस के नाम पहली बार कोई रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ है बल्कि ये कई बार कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। इसकी चर्चा इतनी अधिक है कि इस भैंस को खरीदने के लिए लोग हजारों नहीं बल्कि लाखों की कीमत देने को तैयार रहते है, कीमत इतनी की अच्छी गाड़ी इतनी राशि में आ सकती है।

जानकारी के मुताबिक इस कई रिकॉर्डधारक भैंस गंगा के मालिक और किसान जय सिंह के मुताबिक इस भैंस को खरीदने के लिए कई लोग आते है। इसके

लिए 15 लाख रुपये तक की कीमत भी देने को तैयार थे मगर उन्होंने गंगा को नहीं बेचा। बता दें कि किसान जयसिंह अपनी पत्नी के साथ मिलकर पशुपालन के क्षेत्र में शानदार योगदान दे रहे है। उनके योगदान को देखकर मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर और कृषि मंत्री जेपी दलाल भी उन्हें सम्मानित कर चुके है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्ष 2017 में उनके कार्य के लिए उन्हें सम्मानित कर चुके है।

जानकारी के मुताबिक उनकी भैंस ने करनाल में लगे राष्ट्रीय डेयरी मेले के दौरान एक ही दिन में 31 किलो 100 ग्राम दूध दिया था। इतनी मात्रा में दूध देकर भैंस ने पंजाब और हरियाणा में शानदार रिकॉर्ड बनाया है। इस मेले में भैंस गंगा ने प्रथम स्थान हासिल किया है। इतनी बड़ी मात्रा में दूध देने और प्रथम स्थान पर आने के लिए उसे 21 हजार रुपये का ईनाम भी दिया गया है।

पांच वर्ष की उम्र में खरीदा था

किसान जय सिंह ने अनुसार उन्होंने भैंस गंगा को उस समय खरीदा था जब उसकी उम्र महज पांच वर्ष की थी मगर अब ये 15 वर्ष की हो चुकी है। इस बीते 10 वर्षों से जय सिंह अपने बच्चे की तरह ही पाल रहे है। गंगा एक दिन में 13 किलो फीड और दो किलो गुड़ खाती है। इसकी देखभाल में दिन भर में आठ घंटे लगते है। इसे रोज नहलाने से लेकर इसे पानी पिलाना, खिलाना सब में कुल आठ घंटे का समय लगना आम है। इसे हर पांच घंटे के बाद पानी पिलाया जाता है।

गंगा के नाम हैं ये रिकॉर्ड

जानकारी के मुताबिक गंगा ने कई रिकॉर्ड बनाए है। वर्ष 2015 में एक दिन में 26 किलो 306 ग्राम दूध दिया था, जो रिकॉर्ड था। वर्ष 2017 में इसने 26 किलो 900 ग्राम दूध देकर रिकॉर्ड अपने नाम किया था। 2021 में 27 किलो 330 ग्राम दूध देकर एक अन्य रिकॉर्ड उसने अपने नाम किया हुआ है।

प्रमुख समाचार

नीतीश के बाद केजरीवाल को मिला खड़गे का साथ

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने दिल्ली शराब नीति मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी

मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया फरवरी से जेल में बंद हैं। केजरीवाल ने कहा कि वह सम्मन का पालन करेंगे और पूर्वाह्न 11 बजे दिए गए समय पर सीबीआई कार्यालय जाएंगे। हालांकि, इसको लेकर राजनीति जारी है। आम आदमी पार्टी भाजपा पर जबरजस्त तरीके से हमलावर है। वहीं, केजरीवाल को विपक्षी दलों का भी साथ मिल रहा है। सूत्र ने बताया कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में सीबीआई द्वारा समन किए जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से बात की थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने दिल्ली के समकक्ष अरविंद केजरीवाल को सीबीआई द्वारा समन जारी किए जाने पर उनके समर्थन में सामने आए हैं।

प्राचीन ज्ञान प्रणाली पर रिसर्च करें, साझा करें-भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि भारत का गठन विश्व कल्याण के लिए हुआ है और देश को अपनी ताकत और प्रतिष्ठा में वृद्धि के बीच अपने ज्ञान को एक कर्तव्य के रूप में साझा करना चाहिए। गुजरात विश्वविद्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने भारतीयों से कहा कि वे देश की प्राचीन ज्ञान प्रणाली में अपने संदेह और विश्वास की कमी को दूर करें और इसके बजाय यह पता लगाने के लिए शोध करें कि क्या प्रासंगिक है और इसे सभी के साथ साझा करें। उन्होंने कहा, हमारे राष्ट्र का गठन हमारे पूर्वजों की तपस्या के कारण हुआ था, जो दुनिया का कल्याण चाहते थे, इसलिए यह हमारा कर्तव्य है कि हम ज्ञान साझा करें। अहमदाबाद स्थित आरएसएस से जुड़े थिंक टैंक पुर्नउत्थान विद्यापीठ की ओर से तैयार प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली और संबंधित विषयों के 1,051 खंडों का विमोचन करने के बाद भागवत ने ये बातें कही।

हनुमान जयंती के दिन हिंसा संबलपुर में कर्फ्यू लागू

संबलपुर (ओडिशा)। ओडिशा के संबलपुर में हनुमान जयंती की शोभायात्रा के दौरान ताजा हिंसा की खबरों के बाद शनिवार को

संबलपुर में अगली सूचना तक कर्फ्यू लगा दिया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुक्रवार शाम को हनुमान जयंती पर शोभायात्रा निकाले जाने के बाद हिंसा हुई। शहर की वर्तमान स्थिति की जानकारी मिलने के बाद संबलपुर उपजिलाधिकारी ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144(1) के तहत कर्फ्यू लगाए जाने की घोषणा की। नगर थाना, धानुपाली थाना, खेतराजपुर थाना, ऐंथापाली थाना, बरेईपाली थाना एवं संबलपुर के सदर थाना क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति या समूह को तत्काल प्रभाव से अगली सूचना तक घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं है।

पाठ्यपुस्तकों में संसोधन के लिए विशेषज्ञों से किया परामर्श

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों से कई संदर्भों-अंशों को हटाने को लेकर जारी विवाद पर सफाई दी है। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलाव का बचाव करते हुए शिक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि एनसीईआरटी ने अपने पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के लिए 25 बाहरी विशेषज्ञों और सीबीएसई के 16 शिक्षकों से परामर्श किया। जिसके आधार पर मुगलों, महात्मा गांधी, उनके हत्यारे नाथूराम गोडसे, हिंदू चरमपंथियों और 2002 के गुजरात दंगों के संबंधित संदर्भ स्कूली पाठ्यपुस्तकों से हटा दिए गए। गौरतलब है कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों से कई संदर्भों और अंशों को हटाने पर विवाद शुरू हो गया है। विपक्ष ने केंद्र सरकार पर सोची-समझी साजिश के तहत स्कूली पाठ्यपुस्तकों से इतिहास के कुछ संदर्भों को हटाने का आरोप लगाया है।

जीएसटी चोरी मामले में भाजपा नेता पंकजा की चीनी मिल पर छापा

मुंबई। भाजपा सचिव और महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे के स्वामित्व वाली चीनी मिल पर वस्तु व सेवाकर विभाग (जीएसटी) ने छापा मारा है। 12 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी को लेकर उक्त कार्रवाई की गई है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना पंकजा के बचाव में आ गई और भाजपा पर पंकजा को परेशान करने का आरोप लगाया है। बीड जिले के परली में वैद्यनाथ सहकारी चीनी मिल की स्थापना भाजपा के दिवंगत नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे ने की थी। पंकजा मुड़े की वैद्यनाथ शुगर फैक्ट्री वर्तमान में घाटे की वजह से बंद की गई है। पंकजा ने कहा, मैंने जीएसटी अधिकारियों से बात की। मैंने उनसे पूछा कि अचानक से ऐसा एक्शन क्यों लिया गया। उनका जवाब था कि उन्हें ऊपर से आदेश आया है। कंपनी पिछले सात साल से बंद है। जिसकी वजह से कंपनी पर ताला लगा हुआ है। चीनी मिल पर 250 करोड़ रुपये का कर्ज है। पंकजा मुंडे ने कहा, पहले हम 152 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुके हैं। 12 करोड़ रुपये जीएसटी का भुगतान किया जाएगा।

भाजपा की चुनावी जीत का सबसे बड़ा कारण क्या है

अभय कुमार दुबे

1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद चली हमदर्दी की लहर में हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की केवल दो सीटें रह गई थीं। बड़े-बड़े नेता चुनाव हार गए थे। पार्टी के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया। क्या उस समय भाजपा का कोई नेता, उसके मुखिया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कोई पदाधिकारी या हिंदुत्व का कोई अन्य हमदर्द कभी सोच सकता था कि 39 साल बाद यह पार्टी अपना स्थापना दिवस एक ऐसी सत्तारूढ़ शक्ति के रूप में मनाएगी जो न केवल पिछले नौ साल से बहुमत की सरकार चला रही है, बल्कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी उसके हारने का कोई अंदेशा नहीं है।

निश्चित रूप से दो सीटों से एक महाप्रबल पार्टी तक का सफर हर तरह से असाधारण ही कहा जाएगा। यह उपलब्धि कैसे हासिल हुई? मेरे विचार से यह पिछले साठ साल से एक खास तरह के सामाजिक समीकरण को साधने का संचित परिणाम है। साठ के दशक में जनसंघ के मुख्य संगठनकर्ता दीनदयाल उपाध्याय ने द्विज जातियों (ब्राह्मण, ठाकुर और वैश्य) के साथ दो तरह के सामाजिक समुदायों को जोड़ने का योजनाबद्ध प्रयत्न शुरू किया था। ये दो तरह के समुदाय थे शूद्रों (यानी पिछड़ी जातियों) के कुछ हिस्से और हिंदू समाज के वे हिस्से (जैसे जाट, भूमिहार और कायस्थ) जो द्विज तो नहीं थे, लेकिन जिनकी आत्मछवि ऊंची जातियों वाली ही थी। यह हिंदू एकता बनाने का पहला चरण था। दूसरे चरण में यानी 1975 के बाद और विशेष तौर से अस्सी के दशक में संघ परिवार ने समाज के बेहद कमजोर हिस्सों को अपने साथ जोड़ने का उद्यम किया।

उसने आदिवासियों में, दलित जातियों में और शहरी गरीबों में काम करना शुरू किया। यह इन कोशिशों का परिणाम ही है कि आज भाजपा को अपने प्रभाव क्षेत्रों में 45 से 50 फीसदी हिंदुओं के वोट मिलते हैं। चुनाव-दर-चुनाव उसकी जीत का सबसे बड़ा कारण यही है।

इसके पीछे जो विचारधारात्मक तर्क है वह बेहद सरल और व्यावहारिक किस्म का है। संघ परिवार ने इसे दो चरणों में संसाधित किया। पहले उसने ऋग्वेद के पुरुष सूक्त में वर्णित विराट पुरुष के अंगों और उनके पूर्व-निर्धारित कर्तव्यों की व्याख्या खास तरीके से की। इसके जरिये संघ ने लगातार यह दिखाने की कोशिश की कि शूद्र समाज को अन्य वर्णों से कमतर नहीं समझा जाना चाहिए। हिंदू-राष्ट्र की स्थापना के प्रोजेक्ट में पिछले 99 साल से लगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पुरुष सूक्त की व्याख्या के जरिये अक्सर 'ऑर्गेनिक यूनिटी' या समाज की 'आंगिक एकता' की दावेदारी करता रहा। इसका एक नमूना जनसंघ के नेता दीनदयाल उपाध्याय के शब्दों में देखा जा सकता है = 'चार जातियों के हमारे विचार में, उन्हें विराट पुरुष के चार अंगों के रूप में माना गया है।

माना जाता है कि विराट पुरुष के सिर से ब्राह्मण, हाथों से क्षत्रिय, उदर से वैश्य और पैरों से शूद्रों की उत्पत्ति हुई। जब हम इस विचार का विश्लेषण करते हैं तो हमारे सामने यह प्रश्न खड़ा होता है कि क्या विराट पुरुष के सिर, हाथ, पेट और पैरों के बीच कोई संघर्ष खड़ा हो सकता है। अगर संघर्ष मूलभूत है तो शरीर काम ही नहीं कर पाएगा। एक ही शरीर के विभिन्न हिस्सों के बीच कोई संघर्ष हो ही नहीं सकता। इसके विपरीत 'एक व्यक्ति' प्रबल होता है। ये अंग एक-दूसरे के पूरक ही नहीं हैं, बल्कि इससे भी ज्यादा ये स्वतंत्र इकाई हैं। वहां पूरी तरह से अनुराग और आत्मीयता का भाव है। जाति व्यवस्था की उत्पत्ति ऊपर बताए आधार पर ही हुई। अगर इस विचार को नहीं समझा गया तो जातियों में एक दूसरे का पूरक बनने की बजाय संघर्ष पैदा होगा। लेकिन तब यह विकृति है। यह व्यवस्थित व्यवस्था नहीं है, बल्कि इसमें कोई योजना या व्यवस्था नहीं है। सचमुच हमारे समाज की आज यही दशा है..। परस्परानुकूलता और परावलंबन वर्ण व्यवस्था का आंतरिक भाव है। सर्वसमभाव ही वर्ण व्यवस्था है।

दिलचस्प बात यह है कि पहले तो संघ परिवार ने वर्णव्यवस्था को सर्वसमभाव के रूप में प्रदर्शित किया, और फिर दूसरे चरण में 1974 में सरसंघचालक बालासाहब देवरस ने कह दिया कि 'वास्तव में देखा जाए तो आज की संपूर्ण परिस्थिति इतनी बदल चुकी है कि समाज धारण के लिए आवश्यक ऐसी जन्मत: वर्ण-व्यवस्था अथवा जाति-व्यवस्था आज अस्तित्व में ही नहीं है। सर्वत्र अव्यवस्था है, विकृति है। अब यह व्यवस्था केवल विवाह संबंधों तक ही सीमित रह गई है।

आज कुसमुंडा खदान के उत्खनन पर रोक का ऐलान

■ भू-विस्थापित किसानों की 11 सूत्रीय मांगों पर चरणबद्ध आंदोलन, गेवरा-दीपका की तरह बंद करेंगे

कोरबा। ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के बैनर तले एसईसीएल क्षेत्र के भू-विस्थापित किसानों की 11 सूत्रीय मांगों पर चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। रोजगार, मुआवजा, बसाहट और अन्य समस्याओं को लेकर गेवरा, दीपका के बाद तीसरे चरण में 16 अप्रैल को कुसमुंडा खदान के उत्खनन और परिवहन कार्य रोकने का ऐलान किया गया है। आंदोलन को सफल बनाने गांव-गांव में जन समर्थन जुटाया जा रहा है। संगठन ने पहले चरण के आंदोलन में विगत 25 मार्च को गेवरा खदान में सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक बंदी की थी। दूसरे चरण के दौरान दीपका क्षेत्र में दिनभर उत्खनन, परिवहन और रोडसेल का कार्य प्रभावित कर आंदोलन किया था। स्थानीय स्तर पर वार्ता से इंकार कर संगठन के पदाधिकारी मामला मुख्यालय और बोर्ड स्तर का होने के कारण सीएमडी व बोर्ड मेम्बरों की मौजूदगी में ही वार्ता कराने के पक्ष में हैं।

ऊर्जाधानी संगठन के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने बताया कि 11 सूत्रीय मांगों पर 5 चरणों मे आंदोलन की घोषणा की गई है। अब तक एसईसीएल मुख्यालय की ओर कोई सार्थक पहल नही हुआ हैए इसलिए आगे के आंदोलन को जारी रखा गया है। 16 अप्रैल को कुसमुंडा खदान में हजारों भू.विस्थापित अपने हक और अधिकार की मांगों पर उतरने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 11 मांगो पर 11 घण्टे बन्द कराया जाएगा जैसा पहले और दूसरे चरण में किया गया है। उन्होंने बताया कि आंदोलन की सफलता के लिए कुसमुंडा क्षेत्र के अंतर्गत शामिल सभी गांवों में जनसम्पर्क किया जा चुका है। बैठकों में ग्रामीणों द्वारा भरपूर समर्थन मिला है। घर-घर पर्चा वितरण, नुक्कड़, मीटिंग के माध्यम से जन-जन तक भू-विस्थापितों तक इस आंदोलन के महत्व को पहुंचाया जा रहा है। इस कड़ी में खोडरी, रिसदी, चुरेल, आमगांव, बाता, पाली आदि ग्रामों में व्यापक प्रचार-प्रसार के दौरान राजकुमार, गणपत कंवर, इंद्रपाल, प्रेमदास, रूद्र दास महंत, कुलदीप सिंह राठौर, संतोष चौहान, समारू दास महंत, रविदास आदि शामिल थे।

कोयला उत्पादन का लक्ष्य बढ़ने के साथ खदानों में बढ़ी दुर्घटनाएं

कोरबा। देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कोल इंडिया लगातार कोयले का उत्पादन बढ़ाने में जुटा है। कोयला उत्पादन का लक्ष्य बढ़ने के साथ खदानों में दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ गई है। सबसे अधिक तेलंगाना के कोयला खदानों में दुर्घटनाएं हो रही। छत्तीसगढ़ में खदानों में भी सुरक्षा को लेकर और अधिक सतर्क होने की आवश्यकता महसूस की जा रही। कोयला मंत्रालय ने केंद्र सरकार को जो रिपोर्ट सौंपी हैए उसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में देश की अलग अलग कोयला खदानों में 23 दुर्घटनाएं हुईं, इनमें 27 श्रमिकों की मौत हुई है। सर्वाधिक सात मौतें तेलंगाना में हुई हैं। बात छत्तीसगढ़ में संचालित साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की खदानों की करें, तो वित्तीय वर्ष 2017-18 में एसईसीएल का 1538 लाख टन का लक्ष्य रहा। इस वर्ष हुई खदान दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत हुई, इतने ही कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए और इतने ही लोगों को सामान्य चोटें आई। वित्तीय वर्ष 2018-19 में लक्ष्य बढ़ कर 1600 लाख टन हो गया और मौत की संख्या 14 जा पहुंची। आठ घायल हुए। वर्ष 2019-20 में 1705 लाख टन रहा। इस वर्ष आठ कर्मियों की जान गई और 10 लोगों को गंभीर रूप से घायल हुए। वर्ष 2020-21 में 1720 लाख टन लक्ष्य रहा तो दुर्घटना में 12 कर्मियों की मौत हुई और पांच घायल हुए।

शासकीय राशि का दुरूपयोग सरपंच सचिव पाए गए दोषी

कोरिया। जहां एक तरफ शासन जनता के हित में योजनाएं संचालित कर लाभ दे रही है तो दुसरी तरफकुछ लोग शासन की राशि ही डकार जा रहे। हम बात कर रहे हैं महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना में शासकीय राशि दुरुपयोग के मामले में जांच करते हुए लोकपाल ने सरपंच व सचिव पर 1-1 हजार अर्थदंड व 25-25 हजार रुपये क्षतिपूर्ति राशि के तौर पर राज्य रोजगार गारंटी कोष में 60 दिवस के भीतर जमा करने का निर्णय पारित किया है।

मिली जानकारी अनुसार जनपद पंचायत सोनहत के ग्राम पंचायत सरगवां में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत भूमि समतलीकरण के कार्य मे भ्रष्टाचार की शिकायत ग्राम करीं निवासी सुनील कुमार के द्वारा लोकपाल से की गई थी, तथा लोकपाल ने 12 मार्च 2019 को सरपंच सरगवां सुखराज सोनपाकर, सचिव प्रवीण कुमार पांडेय, रोजगार सहायक अनामिका सिह के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करते हुए उक्त शिकायत की जांच की गई थी। जांच में लोकपाल ने पाया कि ग्राम करीं निवासी सोनकुंवर पिता देवलाल के नाम पर गांव में भूमि ही नही है लेकिन सोनकुंवर के नाम से दूसरे की भूमि पर 1 लाख 27 हजार की लागत से भूमि समतलीकरण का कार्य कर शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया है। जिसके बाद लोकपाल के द्वारा सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक को नोटिस जारी करते हुए जवाब प्रस्तुत करने हेतु तलब किया गया था। इसके साथ ही जांच के दौरान लोकपाल ने राजस्व अभिलेखों का अवलोकन किया और पाया कि करीं में पटवारी हल्का नम्बर 08 में भूमि खसरा 123, 124/1 रकबा क्रमशः 1.73, 1.24 हेक्टेयर भूमि दिलबसिया पति देवलाल के नामपर दर्ज है, तथा सोनकुंवर के नाम पर राजस्व अभिलेखों में जमीन नही होना पाया गया, जिसके बाद लोकपाल ने रोजगार सहायक को दोष मुक्त करते हुए शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामले में सरपंच व सचिव के विरुद्ध निर्णय पारित किया है।

छुरीकला के पार्षद हीरालाल को बर्खास्त करने की कार्रवाई निरस्त

कोरबा। नगर पंचायत छुरी कला के वार्ड क्रमांक नौ के बर्खास्त पार्षद के निर्वाचन को छत्तीसगढ़ नगरीय प्रशासन ने हाईकोर्ट की अनुशंसा पर बहाल कर दिया है। पार्षद ने नौ माह पहले नगर पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की मांग प्रशासन से की थी। इस बीच जमीन बेजाकब्जा मामले में बर्खास्त किए जाने से अविश्वास प्रस्ताव पर ग्रहण लग गया था। अब राज्य नगरीय प्रशासन ने पार्षद को बहाल कर दिया है। इसके साथ ही अध्यक्ष के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव की राह खुल गई है।

नगर पंचायत छुरी के अध्यक्ष नीलम देवांगन के कार्यशैली से अप्रसन्न हो कर वार्ड क्रमांक नौ के पार्षद हीरालाल यादव ने अविश्वास प्रस्ताव का मोर्चा खोलते हुए कलेक्टर से व्यवस्था देने की मांग की थी। प्रस्ताव के लिए तीन पार्षदों की जरूरत थी। हीरा यादव ने बताया कि आवेदन के चार माह बाद भी मामलें में प्रशासन ने सुनवाई नहीं की। इससे उसे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। कोर्ट ने कोरम के आधार पर अविश्वास प्रस्ताव के लिए व्यवस्था देने की बात कही। इस बीच जमीन बेजा कब्जा मामले में कलेक्टर संजीव झा ने पार्षद हीरा लाल को पद से बर्खास्त कर दिया । हीरा ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव लाने में सहयोगी देवेंद्र देवांगन पर भी जमीन बेजाकब्जा का आरोप लगाया गया है, जो अनुविभागीय कार्यालय में प्रक्रियाधीन है। बर्खास्तगी के विरूद्ध हीरा ने हाईकोर्ट में अपील की। जिसपर कोर्ट ने नगरीय प्रशासन में आवेदन कर जांच कराने के लिए कहा। कोर्ट की अनुसंशा पर पार्षद ने नगरीय प्रशासन में आवेदन किया था। जांच में बेजाकब्जा के मामले को निराधार पाया गया। हीरा ने बताया कि जांच के बाद नगरीय प्रशासन के विशेष सचिव ने पार्षद पद को बहाल कर दिया है। साथ ही जिला प्रशासन को नगर पंचायत छुरी के अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कहा है। बताना होगा नगरीय प्रशासन के आदेश अध्यक्ष खेमा में हड़कंप मच गया है। तीन पार्षदों के विपक्ष में मतदान करने पर अध्यक्ष नीलम देवांगन को अपने पद से हाथ धोना पड़ सकता है।

बताना होगा कि इससे पहले भी पूर्व अध्यक्ष गोविंद सिंह राजपूत ने समय पर निर्वाचन को आय व्यय का ब्यौरा नहीं दिया था। जिससे उन्हे अध्यक्ष पद से हटना पड़ा था। नगर में मध्यावधि चुनाव की स्थिति निर्मित हो गई थी। वार्ड क्रमांक नौ हीरालाल यादव के पार्षद पद से बर्खास्त होने से जिला निर्वाचन ने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी थी। बहरहाल पार्षद के पक्ष में नगरीय प्रशासन के निर्णय ने सत्तापक्ष के अविश्वास प्रस्ताव की राह खोल दिया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने वालों पर कार्रवाई किया जावे : चंद्रमौली

कांकेर। शिवसेना प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्रा ने बताया कि जिले में फर्जी कंपनी के नाम पर निरंतर ठगो द्वारा शिक्षित बेरोजगारों, आम जनता, भोले-भाले ग्रामीणों को ठगकर उनके मेहनत की कमाई का लूटमार किया जा रहा है। कभी बोर गाड़ी के नाम पर, कभी चिटफंड कंपनी के नाम पर तो कभी नौकरी दिलाने के नाम पर क्षेत्र के लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। उन्होने बताया कि ठगी के पीड़ित आवेदकों के साथ कांकेर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कांकेर से मुलाकात कर पैसा वापस दिलाने एवं करण कुमार एवं दिनेश्वरी पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग किया गया। उक्त आशय का पत्र कलेक्टर कांकेर को भी सौंपा गया है। इस पर शिवसेना प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्रा ने कहा कि प्रशासन गंभीरता से इस मुद्दे को ले और जो भी ठग है उस पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें ताकि आगामी समय में ऐसे मामले क्षेत्र में ना आए। पुलिस अधीक्षक से मिलने वालों में प्रमुख रूप से शिवसेना के रामनाथ उसेंडी, अनीश नरेटी, किशोर दरपट्टी एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

शिवसेना प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में फरसगांव जिला कोंडागांव के पास बहीगांव (डोंगरी पाड़ा) निवासी करण कुमार एवं उसकी पत्नी दूलेश्वरी द्वारा अपने आपको डिप्टी रेंजर और अपनी पत्नी को कलेक्टर में बाबू बताकर चपरासी के पद पर 175 पद में नौकरी दिलाने के नाम पर क्षेत्र के लोगों से बैंकों के माध्यम से लगभग 20 लाख रुपए की ठगी किया गया। जिसमें भानूप्रतापपुर, दुर्गुकोंडल, अंतागढ़ क्षेत्र के प्रीतम पटेल, सुरेश सलाम, हेमलता, साधना हिचामी, उत्तम पटेल, भुवन कुमार प्रमुख रूप से हैं। इन्हें पोस्ट ऑफिस के माध्यम से फर्जी नियुक्ति पत्र भेजा गया। जिस नियुक्ति पत्र को लेकर इनके द्वारा पोस्टिंग के जगह पर संपर्क किया गया। जहां पर यह बताया गया कि यह फर्जी है। जब यह लोगों ने करण कुमार एवं दिनेश्वरी से अपने पैसे मांगे तब करण कुमार एवं दिनेश्वरी द्वारा उल्टा इन आवेदकों को विभिन्न मोबाइल नंबर के माध्यम से धमकी दिया जा रहा है, डराने धमकाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रमोशन में गड़बड़ी पर डीईओ-क्लर्क सस्पेंड, जूनियर की कर दी पदोन्नति

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में पदोन्नति में गड़बड़ी मामले में डीईओ आरपी मिरे और क्लर्क वीरेंद्र वट्टी को निलंबित कर दिया गया है। शिक्षा विभाग के आदेशानासुनार करीब एक साल पहले सीनियर शिक्षकों को प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नत किया जाना था। आरोप है कि डीईओ और क्लर्क ने मिलकर जूनियर शिक्षकों का प्रमोशन कर दिया। शिकायत मिलने पर विभागीय जांच में दोनों दोषी पाए गए। इसके बाद दोनों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में आरपी मिरे को संयुक्त संचालक शिक्षा के संभागीय मुख्यालय जगदलपुर और विरेंद्र वट्टी को बीईओ कार्यालय कोयलीबेड़ा में अटैच किया है।

दरअसल, राज्य शासन की ओर से करीब एक साल पहले जारी आदेश के तहत सहायक शिक्षक (एलबी) के प्रमोशन लिस्ट में सरल क्रमांक 1023 पर कांकेर के प्राथमिक स्कूल बाबूदबेना (खासपारा) की शिक्षिका सरिता ठाकुर का नाम था। नियमानुसार, सरिता ठाकुर की प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति की जानी थी, लेकिन आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी ने उनसे करीब 20 नंबर पीछे कनिष्ठ सहायक शिक्षक को प्रधान पाठक प्राथमिक स्कूल के पद पर पदोन्नति प्रदान कर दी। इसके बाद मामले की शिकायत प्रशासन और राज्य स्तर पर की गई थी।

जांच में पाया गया गया कि तत्कालीन प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी आरपी मिरे और तत्कालीन सहायक ग्रेड-3 वीरेंद्र कुमार वट्टी ने नियमानुसार पदोन्नति प्रक्रिया के पालन में लापरवाही की है। जांच में आरपी मिरे और वीरेंद्र कुमार वट्टी का दोषी पाया गया। इसके बाद शासन के आदेश पर दोनों के निलंबन की कार्रवाई की गई। रिटायर्ड डीईओ टीआर साहू के खिलाफ भी अवर सचिव आरपी वर्मा ने विभागीय कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। शिकायत के बाद टीआर साहू का भी पदोन्नति सूची जारी करने में कोताही बरतना पाया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

भूपेश सरकार भरोसे के नाम पर पेंशनरों को भटका रही

जगदलपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के अध्यक्ष राम नारायण ताटी ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के राष्ट्रीय नेता के बस्तर आने पर बस्तर वासियों को बहुत सारी उम्मीदें होती है। ऐसी ही उम्मीद कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के बस्तर प्रवास पर पेंशनरों को भी लंबित महंगाई राहत के घोषणा की थी किंतु निराशा हाथ लगी। जिससे पेंशनरों में सरकार पर गहरा रोष है। उन्होने आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार भरोसे के नाम पर पेंशनरों को भटकाने का काम कर रही है। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के अध्यक्ष राम नारायण ताटी ने कहा कि पेंशनर्स महासंघ प्रियंका गांधी से मिलकर बुजुर्ग पेंशनरों की समस्याओं से अवगत कराना चाहते थे, किंतु जिला प्रशासन के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने के बावजूद मिलने की अनुमति नहीं दी गई। जिससे पेंशनरों में रोष है। सच्चाई यह है कि राजनीतिक दलों के लोग बस्तर में राष्ट्रीय नेताओं को लाकर केवल वाह-वाही लूटना चाहते हैं। अक्सर उन्हें जमीनी हकीकत से अवगत कराने में जी चुराते हैं।

5 लाख का इनामी माओवादी विस्फोटक सहित गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाए जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के दौरान भैरमगढ़ माओवादी एरिया कमेटी सदस्य सहित अन्य माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर थाना जांगला के निरीक्षक धरमा राम तिर्की के नेतृत्व में जिला बल और सीआरपीएफ222 बटालियन का संयुक्त बल फुलगट्टा की ओर निकली थी , इसी दौरान भैरमगढ़ माओवादी एरिया कमेटी सदस्य मीनू उर्फ मनोज को जवानों ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की संयुक्त पार्टी जैसे ही फुललोड पटेलपारा पहुंची तब जवानों को देख कर 4-5 लोग भागने लगे । पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर एक माओवादी को पकड़ कर पूछ ताछ किया ,उक्त व्यक्ति ने पूछ ताछ के दौरान अपना नाम मीनू कमलू उर्फ कलमुमी मनोज उर्फ डेंगा लछु उम्र 40 वर्ष, निवासी स्कुलपारा पल्लेवाया, भैरमगढ़ एरिया कमेटी का सदस्य होना बताया । जिस पर छत्तीसगढ शासन द्वारा 5 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था । पकड़े गए माओवादी के कब्जे से डेटोनेटर बरामद किया गया।

भगवान राम मर्यादा के प्रतीकः रामखिलाव साहू

सक्ती। विधानसभा के ग्राम पंचायत कडारी में ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित अखण्ड नवधा रामायण में शक्ति विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं जिला साहू संघ सक्ती के अध्यक्ष डॉक्टर खिलावन साहू ने कथा विश्राम की अंतिम संध्या में शामिल होकर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम हमारे आदर्श हैं, हमारे स्वाभिमान के प्रतीक हैं। डॉ. साहू ने प्रभु श्री राम जी का छत्तीसगढ़ के संबंध को बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा नवधा भक्ति होती है उसका प्रमुख कारण कि विपत्ति काल में प्रभु श्री रामचंद्र जी ने अपने सर्वाधिक समय छत्तीसगढ़ में रह कर जो आततायी राक्षस थे उनका नाश किया था। हिंदू धर्म को मानने वाले हर हिंदू को अपने जीवन काल में एक बार अयोध्या धाम राम लला का दर्शन के लिए अवश्य जाना चाहिए। सक्ती एवं जांजगीर चांपा जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ में हो रहे धर्मांतरण के संबंध में भी अवगत कराते हुए डॉ साहू ने कहा कि धर्मांतरण को हर हाल में रोकने का सभी से आग्रह भी किया।

चिटफंड कंपनी सर्वमंगला प्रापर्टीज की संपत्ति हुई नीलामी

कोरबा। चिटफंड कंपनी सर्वमंगला प्रापर्टीज लिमिटेड की संपत्ति की नीलामी बरपाली तहसील कार्यालय में हुई। जिससे 31 लाख रुपए जिला प्रशासन के खाते में आये। प्रशासन के द्वारा अब वसूली की राशि को निवेशकों को शीघ्र लौटाने की बात कही जा रही है। जो निवेशकों के लिए बड़ी राहत होगी। कम समय में राशि डबल करने सहित अन्य लालच देकर विभिन्न चिटफंड कंपनियों द्वारा जिले के हजारों लोगों से लाखों रुपए की धोखाधड़ी की गई है। जिला प्रशासन द्वारा फ्राड चिटफंड कंपनियों के डायरेक्टर की गिरफ्तारी व उनके संपत्ति को कुर्क कर नीलामी करने के बाद निवेशकों को उनके डूबे रकम को वापस करने की कार्रवाई की जा रही है। कोथारी गांव में चिटफंड कंपनी सर्वमंगला प्रापर्टीज लिमिटेड की जमीन थीए जिसकी नीलामी की गई। नीलामी में 8 लोगों ने बोली लगाई और 31 लाख रुपये में जमीन की नीलामी हुई।

हत्या का आरोपी चकमा देकर अस्पताल से हुआ फरार

दंतेवाड़ा। भांसी थाना क्षेत्र निवासी मुरली नायक पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोपी है, जिसे जिला अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया था जहां से वह जवानों को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी मुरली के ससुर ने 7 अप्रैल उसके खिलाफ बेटी की हत्या का मामला दर्ज करवाया था। मृतका के पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया था। बताया जा रहा है कि आरोपित का स्वास्थ्य ठीक नहीं होने वजह से उसे 2 जवानों की सुरक्षा में इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया था। यहां उपचार के दौरान आरोपी साथ में आए दोनों पुलिस जवानों को चकमा देकर फरार होने में कामयाब हो गया। एएसपी आरके बर्मन ने आरोपित के फरार होने की पुष्टि कते हुए बताया कि पुलिस की अलग-अलग टीम फरार आरोपी की संभावित इलाकों में दबिश देकर हत्या के आरोपी की पतासाजी कर रही है।

रेत का अवैध परिवहन करते लोगों ने ट्रैक्टर को पकड़ा

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में सीतामणि चौक पर लोगों ने शुक्रवार देर रात रेत के अवैध परिवहन में लगा एक ट्रैक्टर पकड़ लिया। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को लोगों ने ट्रैक्टर सौंप दिया है। खास बात यह है कि यह चौक वही स्थान है, जहां 10 दिन पहले दादा-पोत की मौत अवैध परिवहन के चलते हादसे में हो गई थी। इसके बाद करीब 10 घंटे से ज्यादा देर तक हंगामा और जाम चला था। प्रशासनिक अफसरों ने एक लाख मुआवजा देने के साथ ही भारी वाहनों के परिचालन पर प्रतिबंध के साथ ब्रेकर बनाने का आश्वासन देकर चक्काजाम को समाप्त करवाया था।

जानकारी के मुताबिक, कोतवाली क्षेत्र के सीतामणि चौक पर लोगों ने शुक्रवार रात करीब 11 बजे एक बिना नंबर का ट्रैक्टर पकड़ लिया। ट्रैक्टर पर रेत होने और संबंधित कागजात नहीं होने पर लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। लोगों का कहना था कि जब तक पुलिस नहीं आती है, ट्रैक्टर को नहीं छोड़ा जाएगा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची तो लोगों ने दो ट्रैक्टर उनके हवाले कर दिए। हालांकि लोगों में अब भी गुस्सा है। उनका कहना है कि,

हादसे के बाद रेत के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने की मांग की गई थी। प्रशासन ने आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बाद कुछ नहीं हुआ।

पांच अप्रैल को हुआ था हादसा

सीतामणी निवासी विष्णुदेव ताती (55) अपने तीन साल के पोते चिराग ताती को लेकर पांच अप्रैल को मॉर्निंक वॉक पर निकले थे। अभी वे राम मंदिर के पास पहुंचे थे कि तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा होते देख लोगों ने परिजनों और डायल-112 को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन दोनों को लेकर पास के प्राइवेट अस्पताल पहुंचे, लेकिन हालत गंभीर देख उन्हें दूसरी जगह ले जाने को कहा गया। इस पर परिजन दोनों को जिला अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने चिराग को मृत घोषित कर दिया। जबकि दादा विष्णुदेव ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

10 घंटे तक चलता रहा जाम और हंगामा

सड़क दुर्घटना में दादा पोते की मौत का मामले ने पूरी तरह से राजनीतिक रंग ले लिया था। पक्ष और विपक्ष के नेता मौके पर इकट्ठे होकर लोगों के हितों को लेकर पुलिस प्रशासन से बात करते नजर आए। निगम के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन करते हुए कोरबा-चांपा मार्ग को चक्काजाम कर दिया था जिससे मार्ग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। लोगों के विराध को देखते हुए महापौर राजकिशोर प्रसाद भी मौके पर पहुंचे हुए थे। करीब 10 घंटे तक हंगामा और जाम चलता रहा। इसके बाद प्रशासनिक अफसरों ने आश्वासन व मुआवजा देकर जाम खत्म कराया था।

महुआ बीनने गई महिला पर हाथी का हमला, फ्रैक्चर हुआ हाथ-पैर

कोरबा। कोरबा के कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज के ग्राम कोरबी में हांथियों का उत्पात जारी है। पिछले कुछ दिनों से इलाके में हाथी घूमता देखा जा रहा है। गांव या खेत में ग्रामीणों का हाथी से सामना हो ही जाता है, जिससे ग्रामीण काफी भयभीत हैं।

ऐसे ही महुआ बीनने गई एक महिला का एक हाथी से सामना हो गया, जिसके बाद हाथी ने फुटबॉल की तरह उसे मारा और वह काफी दूर जा गिरी। महिला की किस्मत अच्छी थी कि दोबारा हाथी ने हमला नहीं किया नहीं तो उसे जान गंवानी पड़ जाती।

पीड़ित महिला सुकमिता बाई गांव के पास ही खेत में महुआ बीनने गई हुई थीं, तब एक हाथी के आने की सूचना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सभी गांव के पास जंगल जाने से परहेज कर रहे थे लेकिन महिला गांव से ही लगे खेत में महुआ बीनने गई हुई थी।

जब लोगों को पता चला कि सुकमति बाई पर हाथी ने हमला कर दिया है तो कुछ समय के लिए लगा कि वह अब जिंदा नहीं बच पाएगी। थोड़ी देर बाद जब हाथी का झुंड कोरबी जंगल की ओर गया तब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो देखा कि महिला घायल अवस्था में पड़ी हुई थी और दर्द से कहरहा रही थी। घायल महिला के पैरों में गंभीर चोटें आईं हैं।

घटना की सूचना 108 की टीम को दी गई जो मौके पर पहुंची और तत्काल महिला को अस्पताल के लिए रवाना किया। महिला को पोंडी उपरोडा स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। बताया जाता है कि उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने जिला मेडिकल कॉलेज रेफर करने की बात कही है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कांग्रेस के खजाने में गहलोत का कॉंट्रीब्यूशन ज्यादा : शाह

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को भरतपुर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने राज्य की अशोक गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की मौजूदा गहलोत सरकार आजादी के बाद यहां बनी भ्रष्टतम सरकारों में से एक है। इसके साथ ही उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 हम दो तिहाई बहुमत से जीतेंगे। शाह ने आरोप लगाया कि राजस्थान की मौजूदा सरकार ने परिवारवाद का विकास किया, वंशवाद का विकास किया, जातिवाद को भड़काने का काम किया है और तुष्टिकरण की परकाष्ठा की है। इसके अलावा अमित शाह ने अशोक गहलोत-सचिन पायलट विवाद को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि पायलट आप कुछ भी कर लो आपका नंबर नहीं आएगा, आपका योगदान शायद जमीन पर गहलोत जी से ज्यादा हो सकता है मगर कांग्रेस के खजाने में गहलोत का योगदान ज्यादा है।

इंदिरा-सोनिया की वजह से मेरे जैसा गरीब बना जनप्रतिनिधि

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस की वजह से ही उनके जैसा साधारण पृष्ठभूमि का विधायक और सांसद सांसद बन सका है। तेलंगाना के मनचेरियल में जय भारत सत्याग्रह सभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि अगर इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी ने उनके जैसे गरीब लोगों को प्रोत्साहित नहीं किया होता तो वह जनप्रतिनिधि नहीं बन पाते। खड़गे ने दावा किया कि उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी को 2019 में एक आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के 24 घंटे के भीतर लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जबकि गुजरात के एक भाजपा सांसद को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य नहीं ठहराया गया था। हालांकि, खड़गे ने भाजपा सांसद का नाम नहीं लिया। इससे पहले रोजगार मेले को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए खड़गे ने गुरुवार को कहा था कि बहुत कम नौकरियां दी गईं और बहुत देर हो गई।

राहुल गांधी आज कोलार में करेंगे रैली

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को कोलार में पार्टी की एक रैली को संबोधित करेंगे। कोलार वही स्थान पर जहां उन्होंने मोदी उपनाम पर टिप्पणी की थी, जिसके लिए उन्हें आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराया गया था और उनकी संसद की सदस्यता भी छीन ली गई थी। राज्य कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, एआईसीसी के पूर्व अध्यक्ष रविवार सुबह बेंगलुरु पहुंचेंगे और कोलार जाएंगे जहां वह पार्टी द्वारा आयोजित जय भारत रैली को संबोधित करेंगे। शाम को गांधी बेंगलुरु में कर्नाटक पीसीसी कार्यालय के पास नवनिर्मित इंदिरा गांधी भवन कार्यालय और 750 लोगों के बैठने की क्षमता वाले सभागार का उद्घाटन करेंगे। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, केपीसीसी प्रमुख डी के शिवकुमार, विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के कार्यक्रमों में भाग लेने की उम्मीद है।

कांग्रेस ने 43 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

बेंगलुरु। कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 43 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार, कोलार विधानसभा क्षेत्र से कोथुर जी मंजूनाथ उसके उम्मीदवार होंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया इस विधानसभा चुनाव में वरुणा के साथ इस क्षेत्र से भी चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। उनका नाम वरुणा विधानसभा क्षेत्र से घोषित हो चुका है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को छोड़कर शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी को अथानी विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। गत छह अप्रैल को जारी कांग्रेस की दूसरी सूची में उसके 41 उम्मीदवार शामिल थे और एक प्रत्याशी सर्वोदय कर्नाटक पार्टी का था। सर्वोदय कर्नाटक पार्टी के दर्शन पुट्टनैया को मेलुकोट विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किया गया था। कांग्रेस ने कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए गत 25 मार्च को 124 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी।

कर्नाटक में भाजपा छोड़ने वालों के लिए पार्टी के दरवाजे बंद

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार राजनीति गर्म है। भाजपा की ओर से सूची जारी करने के बाद पार्टी के कई बड़े नेता इस्तीफा दे चुके हैं। उन नेताओं के समर्थन में कार्यकर्ता भी लगातार पार्टी के समक्ष अपना इस्तीफा पेश कर रहे हैं। हालांकि, ऐसा लगता है कि भाजपा इन नेताओं के सामने झुकने को तैयार नहीं है। भाजपा की ओर से साफ तौर पर चेतावनी दे दी गई है कि पार्टी छोड़ने वाले नेताओं को दोबारा कभी पार्टी में वापस नहीं लिया जाएगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी सहित कई टिकट चाहने वालों के पार्टी छोड़ने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी अरुण सिंह ने चेतावनी दी कि उन लोगों के लिए पार्टी निकट भविष्य में अपने दरवाजे नहीं खोलेगी जो अब पार्टी संगठन छोड़ रहे थे। अरुण सिंह ने साफ कहा कि पांच या छह लोगों के इस्तीफा देने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा। लेकिन हम कम से कम अगले 20 साल तक उनके लिए अपने दरवाजे नहीं खोलेंगे।

मैं भ्रष्ट हूँ तो दुनिया भ्रष्ट : केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने सीबीआई जांच पर कसा तंज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय जांच एजेंसियों पर सवाल खड़ा करते हुए उनकी कार्रवाई को गलत बताया है। शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम केजरीवाल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई शराब नीति घोटाला नहीं है। दिल्ली सीएम ने कहा के केंद्रीय जांच एजेंसिया अदालत में झूठ बोल रही है और मामले में मनीष सिसोदिया को झूठा आरोपी बनाया गया है।

ये बयान उस वक्त आया है जब सीएम केजरीवाल को सीबीआई द्वारा दिल्ली आबकारी नीति घोटाले मामले पूछताछ के लिए तलब किया है। उन्हें मामले में गवाह के तौर पर रविवार को सुबह 11 बजे एजेंसी के मुख्यालय में पेश होने को कहा गया था।

वहीं, सीबीआई द्वारा दिल्ली आबकारी नीति में जांच के लिए केजरीवाल को भेजे गए समन को लेकर उन्होंने तंज कसा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कल उन्हें सीबीआई ने बुलाया है और वह जरूर जाएंगे। उन्होंने कहा, अगर अरविंद केजरीवाल भ्रष्ट हैं तो इस दुनिया में कोई भी ईमानदार नहीं है... अगर बीजेपी ने सीबीआई को मुझे गिरफ्तार करने का आदेश दिया है, तो जाहिर तौर पर सीबीआई उनके निर्देशों का पालन करेगी। उन्होंने कहा कि सीबीआई और ईडी ने झूठ बोलकर केस बनाए है और बोला कि शराब घोटाला हुआ है। ईडी और सीबीआई कोर्ट को गुमराह कर रही है और सिसोदिया को फंसा रही है।

केजरीवाल ने सवाल करते हुए कहा, मनीष सिसोदिया पर आरोप है कि उन्होंने अपने 14 फोन तोड़ दिए। फिर ईडी कह रही है कि उसमें से 4 फोन उनके पास हैं और सीबीआई कह रही है कि 1 फोन उनके पास है, अगर उन्होंने फोन तोड़े हैं तो उनके पास फोन कैसे आए? अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दो केंद्रीय एजेंसियां हर दिन किसी न किसी को पकड़ रही हैं और उन्हें धमकाया जा रहा है, मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है, उन्हें मामले के सिलसिले में दिल्ली के मंत्रियों का नाम लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

ईडी द्वारा लोगों को पीटा गया और नाम लेने के लिए अरुण पिल्लई और समीर महेंदु को प्रताड़ित किया गया। यह उनकी जांच है। मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि क्या हो रहा है? केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मोदी, अगर केजरीवाल भ्रष्ट हैं तो कोई ईमानदार नहीं है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ इकलौते नेता : आतिशी

आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले इकलौते नेता हैं, इसलिए उन्हें चुप कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में आतिशी ने कहा कि 'आप' नेताओं के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन जांच एजेंसियां उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप साबित नहीं कर पाई हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आबकारी नीति मामले में पूछताछ के लिए रविवार को केजरीवाल को तलब किया है। आतिशी ने कहा, ''क्या एजेंसियों को उनके (केजरीवाल के) या किसी और के आवास पर छापों के दौरान काला धन मिला? नहीं। केजरीवाल भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बात करने वाले इकलौते नेता हैं। वे उनकी आवाज दबाना चाहते हैं। लेकिन, वे ऐसा कर नहीं पाएंगे।''

भाजपा 'विपक्ष मुक्त भारत' चाहती है : सिब्बल

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तलब किए जाने को लेकर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल 'विपक्ष मुक्त भारत' चाहता है और वह उसके खिलाफ खड़े होने वाले नेताओं की छवि 'खराब' करने की कोशिश कर रहा है। सिब्बल ने सभी विपक्षी दलों से जांच एजेंसियों के इस 'दुरुपयोग' के खिलाफ एक सुर में आवाज उठाने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक ऐसे सभी दल एक साथ खड़े नहीं होंगे, तब तक भाजपा से मुकाबला करना मुश्किल होगा। उन्होंने एक बयान में कहा, वे (भाजपा) 'विपक्ष मुक्त भारत' चाहते हैं और सभी विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहे हैं। हमने देखा है कि कैसे उन्होंने झारखंड, छत्तीसगढ़ और केरल के मुख्यमंत्रियों तथा अन्य विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया है। सिब्बल ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनी हुई सरकारों को गिराने के लिए संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रावधानों का दुरुपयोग किया है।

ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल कर एनसीपी को तोड़ने की हो रही कोशिश : संजय राउत

मुंबई। भाजपा पर एक गिरोह चलाने का आरोप लगाते हुए, शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शनिवार को कहा कि भगवा पार्टी प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का उपयोग करके राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को तोड़ने की कोशिश कर रही है। राउत की यह टिप्पणी महाराष्ट्र की एक अदालत द्वारा मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री हसन मुश्रीफ द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के बाद आई है। हालांकि, गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी से उनकी अंतरिम सुरक्षा को 27 अप्रैल तक बढ़ा दिया। संजय राउत ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि वे विजय माल्या को वापस लाने में असमर्थ हैं तो वे काला धन कैसे लाएंगे? यह सरकार की विफलता है, वे केवल बड़े-बड़े वादे करती है लेकिन कोई नतीजा नहीं निकलता। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को सीबीआई का नोटिस मिला।

भाजपा का आम आदमी पार्टी के मुखिया पर सीधा वार

केजरीवाल का एक ही काम लूट, खसूट और भ्रष्टाचार

नईदिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले को लेकर राजनीति जारी है। सीबीआई ने इस मामले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरावाल को पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी को लेकर भाजपा ने केजरीवाल पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि आप (अरविंद केजरीवाल) इन सवालों का जवाब क्यों नहीं देते? आप पॉलीग्राफ टेस्ट या लाई डिटेक्टर टेस्ट क्यों नहीं करवाते। उन्होंने कहा कि जैसे ही अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया, जाहिर तौर पर वे डर से कांपने लगे। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले के सरगना हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमने पांच प्रश्न पूछे हैं, और मैं उन्हें केवल एक का उत्तर देने का साहस करने को कहता हूं। वह इधर-उधर भटकाएंगे और इन सवालों से बच जाएंगे।

गौरव भाटिया ने पूछा कि अरविंद केजरीवाल जी, जिस मीटिंग में ये शराब घोटाला रचित किया जाता है उसकी अध्यक्षता आप कर रहे थे... तो आप पर गाज क्यों नहीं गिरनी चाहिए? अरविंद केजरीवाल जी जनता को बताएं कि उनकी समीर महेन्द्रू से द्भ्रुष्ह्लह्वद्दद्द पर बात हुई या नहीं? उन्होंने सवाल किया कि आप जनता को यह भी बताइए कि शराब कारोबारियों से आपका क्या रिश्ता है? आपकी शराब नीति इतनी अच्छी थी तो इसको वापस क्यों लिया गया? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अरविंद केजरीवाल का केवल एक ही काम है- लूट, खसूट और भ्रष्टाचार। अरविंद केजरीवाल कट्टर बेईमान हैं। उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया इतने भोले हैं नहीं जितना बताया जा रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि इनके पास चार मोबाईल फोन थे, जब जांच अधिकारियों ने जांच के लिए फोन मांगा तो एक दे दिया बाकी तीन नष्ट कर दिए। क्यों? क्या इनको ये लग रहा था कि अरविंद केजरीवाल की भी गर्दन पकड़ी जाएगी... इसलिए नष्ट कर दिए?

उनके मंत्री जेल गए और वे दुनिया को ज्ञान बांट रहे : अनुराग ठाकुर

दिल्ली में शारब घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्कीलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सीबीआई द्वारा केजरीवाल को नोटिस भेजे जाने को लेकर आम आदमी पार्टी भाजपा पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। वहीं, केजरीवाल की ओर से भी पलटवार किया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऐसा 75 सालों में पहली बार हुआ कि जो भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ आंदोलन करने की बातें करते थे, वे भ्रष्टाचार के दलदल में ढूबते नज़र आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के मंत्री जेल गए और वे दुनिया को ज्ञान बांट रहे। जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। भाजपा सांसद प्रवेश साहिब वर्मा ने कहा कि जिन्होंने भ्रष्टाचार न करने की कसम खाई थी,आज वही अरविंद केजरीवाल न केवल घोटालों का बादशाह बना है बल्कि खुद के भ्रष्टाचारी मंत्रियों को जमानत न मिलने पर न्यायपालिका तक को दोषी ठहरा रहा है। भ्रष्टाचारियों की जगह केवल जेल है और केजरीवाल इस बात को समझ गया है इसलिए बौखलाहट चरम पर है! भाजपा प्रवक्ता दौरव भाटिया ने कहा कि जैसे ही अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया, जाहिर तौर पर वे डर से कांपने लगे। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले के सरगना हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

सबसे अमीर क्रिकेट लीग शुरू करना चाहता है सऊदी अरब

नईदिल्ली। सऊदी अरब सरकार खाड़ी क्षेत्र में दुनिया की सबसे अमीर टी20 लीग स्थापित करने की योजना बना रही है, और उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग के मालिकों के लिए इस बारे में योजनाओं का प्रस्ताव दिया है। सऊदी अरब इसके लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भी साधने की कोशिश कर रहा है। सऊदी अरब सरकार सक्रिय रूप से कई खेलों में निवेश कर रही है। फुटबॉल और फॉर्मूला 1 जैसे अन्य खेलों में भारी निवेश करने के बाद, सऊदी अरब अब क्रिकेट में निवेश करने पर विचार कर रहा है। लगभग एक साल से बातचीत चल रही है, लेकिन कुछ भी ठोस होने से पहले, लीग को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा स्वीकृत करने की आवश्यकता होगी।

सऊदी अरब का यह प्लान अमल में आता है तो बीसीसीआई की टेंशन बढ़ सकती है। आईपीएल पर भी इसका असर पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सऊदी अरब क्रिकेट के माध्यम से भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना चाहता है, और सऊदी अरब को वर्ष 2030 तक भारतीयों के लिए नंबर 1 पर्यटन स्थल बनने की उम्मीद करता है। सऊदी अरब क्रिकेट फेडरेशन के अध्यक्ष प्रिंस सऊद बिन मिशाल अल-सऊद ने पिछले महीने बताया था कि हमारा उद्देश्य किंगडम में रहने वाले स्थानीय लोगों और प्रवासियों के लिए एक स्थायी उद्योग बनाना और सऊदी अरब को एक वैश्विक क्रिकेट हब बनाना है। आपको बता दें कि विजिट सऊदी ढ्ढक्क के स्पॉन्सर्स में शामिल है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के वर्तमान नियमों के तहत, भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी ञ्ज20 लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं है, और सऊदी अरब सरकार के प्रतिनिधियों के उनके सबसे अमीर टी20 लीग के प्रस्ताव को लेकर बीसीसीआई को नियम में सुधार के लिए राजी होना पड़ सकता है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

एचडीएफसी बैंक का मार्च तिमाही में नेट प्रॉफिट 20% बढ़ा

नईदिल्ली। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 20.6 प्रतिशत बढ़कर 12,594.47 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी एवं अंतिम तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी करते हुए यह जानकारी दी। पिछले साल की समान अवधि में बैंक का शुद्ध लाभ 10,443.01 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2022 तिमाही की तुलना में एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ घट गया है जो तीसरी तिमाही में 12,698.32 करोड़ रुपये था। समूचे वित्त वर्ष 2022-23 में इस निजी बैंक ने 45,997.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह 38,052.75 करोड़ रुपये था। बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 19.81 प्रतिशत वृद्धि के साथ 12,047.45 करोड़ रुपये हो गया। एकल आधार पर इसकी कुल आय बढ़कर 53,850 करोड़ रुपये हो गई, जबकि इससे पिछले साल यह 41,086 करोड़ रुपये रही थी।

भारत की इकनॉमिक ग्रोथ सात प्रतिशत रहने का अनुमान

नईदिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक के 2023 में भारत के सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के अनुमानों के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार कायम रहेगी और वित्त वर्ष 2022-23 में इसकी वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने की संभावना है। सीतारमण ने शुक्रवार को यहां आईएमएफ मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक एवं वित्तीय समिति की पूर्ण बैठक में भाग लेते हुए कहा कि संरचनात्मक सुधारों पर सरकार के ध्यान के साथ-साथ एक अनुकूल घरेलू नीति परिवेश ने भारत में घरेलू आर्थिक गतिविधियों को मजबूत बनाए रखा है।उन्होंने कहा कि आईएमएफ और विश्व बैंक, दोनों ने भारत के 2023 में सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था होने का अनुमान लगाया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की गति कायम रहेगी।

क्रिप्टो से संबंधित मुद्दों पर फौरन ध्यान देने की जरूरत : वित्तमंत्री

नईदिल्ली। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने जी20 देशों से क्रिप्टो मुद्राओं से संबंधित मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने का अनुरोध करते हुए कहा है कि अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान से बचाने के साथ संभावित लाभों से वंचित न रह जाने का भी ख्याल रखना होगा। अमेरिका के दौरे पर आईं सीतारमण ने यहां अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के मुख्यालय में जी20 देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों के एक सत्र को संबोधित करते हुए क्रिप्टो मुद्राओं के व्यापक प्रभाव की चर्चा की। जी20 समूह की अध्यक्षता इस समय भारत के पास है। सीतारमण ने कहा, जी20 समूह नीतिगत एवं नियामकीय प्रारूप के प्रमुख बिंदुओं को सामने लाने में मुद्राकोष और वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के काम के प्रति आभार जताता है। लेकिन क्रिप्टो मुद्राओं के वृहद-आर्थिक एवं नियामकीय परिप्रेक्ष्य को समाहित करने के लिए एक संश्लेषणात्मक पत्र की जरूरत है।

किआ ने इलेक्ट्रिक कार ईवी6 की बुकिंग फिर शुरू की

नई दिल्ली। किआ इंडिया ने अपनी इलेक्ट्रिक कार 2023 ईवी6 की बुकिंग एक बार फिर से शुरू कर दी है। दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता भारतीय बाजार में ईवी6 के दो वैरिएंट पेश करेगा। जीटी लाइन की कीमत 60.95 लाख रुपये और जीटी लाइन एडब्ल्यूडी की कीमत 65.95 लाख रुपये तय की गई है। दोनों कीमतें एक्स-शोरूम हैं। 2023 किआ ईवी6 इलेक्ट्रिक कार की बुकिंग किआ के डीलरशिप पर की जा सकती है। इसकी बुकिंग कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन भी की जा सकती है। किआ ने जून 2022 में ईवी6 को भारत में अपने पहले इलेक्ट्रिक मॉडल के रूप में लॉन्च किया। तब से अब तक इसकी 432 यूनिट्स बिक चुकी हैं।

जलवायु परिवर्तन और जीडीपी

टी. एन. नाइनन

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की आधुनिक अवधारणा करीब नौ दशक पुरानी है। इसे सन 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में औपचारिक रूप से प्राथमिक आर्थिक उपाय के रूप में अपनाया गया जिसका परिणाम अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की स्थापना के रूप में सामने आया।

आलोचक तब से अब तक इसे मिली प्राथमिकता की आलोचना करते रहे हैं क्योंकि यह कल्याण, असमानता और मानव विकास जैसे मुद्दों को शामिल नहीं करता। जीडीपी आर्थिक गतिविधियों के कारण पर्यावरण को होने वाली क्षति को भी शामिल नहीं करता। जलवायु परिवर्तन का सामना कर रहे लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव भी इसके दायरे से बाहर हैं। विडंबना यह है कि पेड़ों को काटने का काम जीडीपी बढ़ाता है। बाद में दोबारा पौधरोपण करने से भी ऐसा ही होता है। परंतु इसी वजह से जीडीपी अपनी मौजूदा खासियत में से कुछ गंवा सकता है। कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए बढ़ते प्रयासों पर विचार कीजिए। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमताएं तैयार करने में भारी निवेश किया जा रहा है, बिजली से चलने वाले वाहनों पर जोर दिया जा रहा है और कई उद्योगों को नए सिरे से आविष्कृत किया जा रहा है।

कुछ देशों में कोयला आधारित बिजली संयंत्र बंद किए जा रहे हैं और नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया जा रहा है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाली कारों पर जोर कम हो रहा है। जल्दी ही उनकी तादाद में कमी आने लगेगी और बिजली चालित वाहनों की राह आसान होगी। आने वाले दशक में कई बड़े पारंपरिक उद्योग चलन से बाहर होने लगेंगे।

ऐसे उथलपुथल वाले दौर मंथन में जीडीपी भ्रामक हो सकती है। केवल एनडीपी (विशुद्ध घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में से अवमूल्यन को हटाने से प्राप्त उत्पाद) के माध्यम से ही मंथन को समझा जा सकता है।

अगर कोई कोयला चालित बिजली स्टेशन हटाकर उसकी जगह पवन या सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाता है तो एनडीपी द्वारा आकलित आर्थिक गतिविधियों में होने वाली विशुद्ध वृद्धि में कोयला चालित संयंत्र को रद्द किया जाना शामिल होगा जबकि जीडीपी के आंकड़े भ्रामक होंगे क्योंकि उसमें केवल सौर या पवन ऊर्जा से होने वाला उत्पादन दर्ज किया जाएगा।

अर्थव्यवस्थाओं में उत्पादक परिसंपत्ति बढ़ने के साथ अवमूल्यन पहले ही महत्त्वपूर्ण हो चुका है। पिछली सदी की चौथी तिमाही में भारत के जीडीपी और एनडीपी के बीच का अंतर 6 फीसदी से थोड़ा अधिक था। अब यह करीब 12 फीसदी हो चुका है। कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने की कोशिश बढ़ने के साथ ही दोनों उपायों के बीच का अंतर बढ़ना चाहिए।

ऐसा इसलिए कि गहन कार्बन उत्सर्जन वाली उत्पादन सुविधाओं की जगह स्वच्छ विकल्प अपनाए जाएंगे। उदाहरण के लिए रेलवे अभी भी नए डीजल इंजन अपने बेड़े में शामिल कर रही है। उनमें से कई को जल्दी ही विराम दे दिया जाएगा क्योंकि रेलवे अपने सभी मार्गों का विद्युतीकरण कर रही है। आम वृहद आर्थिक आंकड़े भले ही वे विनिर्मित पूंजी के अवमूल्यन को दर्ज कर लें लेकिन वे प्राकृतिक पूंजी मसलन जल संसाधन, वन संपदा, स्वच्छ ऊर्जा आदि की अनदेखी करते हैं। भारत का भूजल स्तर दशकों से गिर रहा है और उसकी वजह से खेती वाले राज्यों में संकट की स्थिति बन रही है। एनडीपी पर करीबी नजर रखना भी पर्याप्त साबित नहीं होगा। इसके अलावा देश को परिसंपत्तियों और देनदारियों की बैलेंसशीट में सालाना बदलाव पर भी नजर रखनी चाहिए। इनमें प्राकृतिक और मानव संसाधन शामिल हैं। जीडीपी और एनडीपी को ऐसी बैलेंस शीट के साथ देखा जाना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे कंपनी के शेयर धारक आय और व्यय दस्तावेजों के साथ परिसंपत्तियों और देनदारियों पर नजर रखते हैं। अक्सर बैलेंस शीट ही अधिक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण अर्थव्यवस्थाएं जहां नए तौर तरीके अपनाएंगी, वहां आर्थिक उपायों का स्वरूप भी बदलेगा।

उजड़ गयी अतीक के अपराध की दुनिया

अनिल सिंग

जिस अतीक अहमद ने अहमदाबाद से पिछली पेशी पर आने के बाद प्रयागराज में पत्रकारों के सवालों पर पूरी अकड़ में कहा था किस बात का डर, वही माफिया डॉन गुरुवार को बेहद गमगीन और सहमा हुआ नजर आया। कई परिवारों को उजाड़ देने वाले अतीक को अपने हत्यारे बेटे असद के एनकाउंटर की खबर सुनकर तकलीफ हो रही थी। उसे अपने किये कुकर्मों पर पछतावा हो रहा था। कई निर्दोषों का बेखौफ होकर खून बहाने वाले अतीक की आखों में आंसू थे। कई बच्चों को अनाथ करने वाला अतीक एक बाप के तौर पर खुद को असहाय और टूटा हुआ महसूस कर रहा था। दर्जनों परिवारों को उजाड़ देने वाले और सैकड़ों लोगों को खून के आंसू रुलाने वाले माफिया अतीक अहमद को इस दर्द का एहसास और पछतावा उसके 44 साल के अपराधिक इतिहास में पहले क्यों नहीं हो पाया किस ताकत के दम पर चार दशक तक खौफनाक घटनाओं को अंजाम देने के बाद भी अतीक किसी मामले में सजायाफ्ता नहीं हो सका था किसकी शह पर अतीक को इतना भरोसा था कि उमेश पाल की हत्या के बाद उसने अपनी पत्नी को आश्वस्त किया था कि अपने बेटे असद को बचा लेगा। शायद सियासी आकाओं पर उसे भरोसा रहा होगा। अतीत में मुलायम सिंह यादव की समाजवादी सरकार में अतीक-असरफ ने राजू पाल की हत्या कराई और मुख्तार अंसारी ने कृष्णानंद राय की, लेकिन इन दोनों विधायकों की हत्या में शामिल शूटरों और माफियाओं का बाल भी बांका नहीं हुआ। उमेश पाल की हत्या के बाद भी अतीक अहमद को यही अहसास रहा होगा कि वह अपने सियासी कनेक्शन तथा मैनेजमेंट के बूते अपने बेटे और अन्य अपराधियों की टीम को बचा लेगा, नहीं तो उमेश की हत्या के बाद शाइस्ता से कभी नहीं कहता कि आज अठारह साल बाद चैन की नींद सोया हूं। असद शेर का बच्चा है और शेरों वाला काम किया है, मैं सब मैनेज कर लूंगा।

उत्तर प्रदेश में बहुतेरे अपराधी हैं। एक से बढ़कर एक खौफनाक भी। राज्य में अपराधी गुटों के बीच गैंगवार भी हुए, ठेकेदारी को लेकर सड़कों पर खून भी बहे, लेकिन किसी भी माफिया ने मौजूदा विधायकों की हत्या कराने का दुस्साहस नहीं दिखाया। लेकिन मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद ने मौजूदा विधायकों की ना केवल हत्या कराई बल्कि अपने सियासी मैनेजमेंट के बलबूते बच भी निकले। किसी भी शूटर का एनकाउंटर नहीं हुआ। चाहे सरकार सपा की हो या फिर बसपा की, दोनों सरकारों में अल्पसंख्यक माफियाओं का मैनजमेंट सिस्टम बखूबी चलता रहा। इन दोनों के अपराध और सियासी संरक्षण ने पुलिस का मनोबल भी तोड़ा। इस सिस्टम की झलक आप सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती के ताजा ट्वीट में देख सकते हैं। यूपी के मुख्यमंत्री रह चुके दोनों नेताओं ने उमेश पाल की हत्या करने वाले असद और गुलाम के एनकाउंटर को झूठा करार दे दिया और जांच की मांग कर डाली। जब उमेश पाल और दो पुलिसकर्मियों की हत्या हुई थी तो दुख जताने की बजाय अखिलेश यादव ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा था कि सरकार यह ना कहे कि यूपी में शूटिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन अतीक के बेटे और शूटर गुलाम का एनकाउंटर होते ही उनका दर्द छलक आया।

अपनी जड़ों से कट न पाए जनजाति समाज

गिरीश पंकज

धर्म मनुष्य को नैतिक बनाता है ।अहिंसा से दूर करता है ।उसे संस्कार देता है। लेकिन धर्म की आड़ में जब लोग धर्मांतरण का खेल करते हैं, तब ऐसे धार्मिकों पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है कि क्या ये सही मायने में धार्मिक हैं? धर्म धंधा नहीं, जीवन शैली है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो अपने स्वार्थ के लिए धर्म को बाजारू बना देते हैं। संविधान ने उदारता दिखाते हुए विकास के मार्ग में पीछे रह गए अनुसूचित जनजाति समाज के साथ ही अन्य पिछड़ी जाति के बंधुओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था लागू की,ताकि वे राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल होकर मान-सम्मान के साथ जीवन यापन कर सकें ।

आरक्षण की व्यवस्था लागू करने से करोड़ों लोग लाभान्वित हुए। आज भी हो रहे हैं। लेकिन अब अनेक जनजाति बंधुओं के बीच धर्मांतरण का भी कुटिल खेल चल रहा है। सीधे-सादे जनजाति-बंधु उस खेल को समझ नहीं पाते और एक दिन अपना धर्म परिवर्तन कर देते हैं। जनजाति बंधु या आदिवासी स्वभाव से संकोची होते हैं। सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए भी होते हैं इसलिए उन्हें आगे बढ़कर आरक्षण का लाभ देना समाज का दायित्व है। लेकिन अब समय आ गया है कि उनके भोलेपन का फायदा उठाकर जो लोग धर्म परिवर्तन की साजिश कर रहे ,हैं उनके बारे में कुछ सोचा जाए। अब यह विचार भी तेजी के साथ विमर्श के केंद्र में आ रहा है कि जिन अनुसूचित जनजाति के लोगों ने अपना धर्म परिवर्तन कर लिया है, तो क्या उन्हें आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए ? या फिर उन्हें अनुसूचित जनजाति की सूची में ही रहने दिया जाना चाहिए? अगर कोई अपना धर्म परिवर्तन करके ईसाई या किसी और धर्म में शामिल हो गया है, तो वह अपनी परंपरा संस्कृति से एक तरह से कटकर अलग हो गया है ।तब उसे उस धर्म की व्यवस्था के अनुरूप चलना होगा। दोनों हाथ में लड्डू नहीं हो सकते कि कोई जनजाति सूची का भी लाभ लेता रहे और ईसाई भी बना रहे। संयुक्त संसदीय समिति ने 10 जुलाई, 1967 को जो महत्वपूर्ण सिफारिश की थी, उसमें साफ-साफ कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जिसने जनजाति आदि मत तथा विश्वासों का परित्याग करके ईसाई या इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया हो, वह अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जाएगा। अपने समय के मशहूर जनजातीय नेता स्वर्गीय कार्तिक उरांव ने 1967 को प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा था, जिसमें 235 सांसदों के हस्ताक्षर थे। इसमें उन्होंने कहा था कि जो लोग धर्म परिवर्तन कर जनजाति सदस्यों का हक छीन रहे हैं, उन्हें जनजाति सदस्य नहीं माना जाए । प्रधानमंत्री ने उन्हें भरोसा भी दिलाया था कि इस दिशा में सरकार उचित कार्रवाई करेगी, लेकिन बाद में ऐसा हो नहीं सका। यही कारण है कि जनजाति बन्धुओं का धर्म परिवर्तन करवाने वाले लोगों से सावधान रखने के लिए %जनजाति सुरक्षा मंच% जैसी संस्थाएं भी अब वनवासी क्षेत्रों में काम कर रही हैं। ताकि भोले भाले बंधुओं के धर्मांतरण पर रोक लग सके ।इस मंच ने युद्ध स्तर पर काम करना शुरू किया है। सन 2009 में एक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें देशभर के अनुसूचित जनजाति समाज के अट्ठाईस लाख लोगों ने इस बात का समर्थन किया था कि जो जनजाति बंधु दूसरे धर्म में चले जाते हैं उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। जनजाति समाज के अपने रीति रिवाज हैं ।उनके अपने पारंपरिक उत्सव हैं। उनके आराध्य देवी देवता हैं। उनकी अपनी एक सांस्कृतिक विरासत है। जब वे अपना धर्म परिवर्तन कर लेते हैं तो अपनी परंपराओं से दूर हो जाते हैं और दूसरे धर्म के अनुरूप व्यवहार करने लगते हैं । इस तरह देखें तो एक बड़ा वर्ग अपनी परंपरा और संस्कृति से कट जाता है, जो दुखद दुखद स्थिति से कम नहीं। जड़ों से कटना कोई अच्छी बात नहीं। कुछ चालाक लोग धर्म परिवर्तन करने के बावजूद अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक वर्ग को मिलने वाली सुविधाओं का लाभ भी उठाते रहते हैं। यह एक तरह से अनैतिक कार्य है और संविधान की मूल भावना के विपरीत भी। दुर्भाग्य की बात है कि भारत देश में धर्मांतरण का षड्यंत्र वर्षों से हो रहा है। इसमें वोट की राजनीति भी काम करती है और अपने धर्म के प्रति कट्टर सोच भी इस काम को करने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए जनजातीय सुरक्षा मंच जैसी संस्थाएं अपने स्तर पर जागरण अभियान छेड़े हुए हैंम उनका कहना है कि अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीट पर किसी धर्मान्तरित व्यक्ति को टिकट नहीं दिया जाना चाहिए । जो लोग अपना धर्म परिवर्तन करके अब जनजाति सूची से बाहर हो गए हैं और आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं, उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर भी अनेक व्यक्ति आज भी अनुसूचित जाति के सदस्य बने हुए हैं। ऐसे लोगों का परीक्षण किया जाना चाहिए। यह विचार बेहद महत्वपूर्ण है । वैसे भी धर्मांतरण रोका जाना चाहिए क्योंकि अगर यह नहीं रोका गया तो जनजाति बंधुओं की जो सांस्कृतिक परंपराएं हैं , उनकी धार्मिक मान्यताएं हैं, उनके रीति रिवाज हैं, वे सब धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगे नइसलिए इस दिशा में गंभीरतापूर्वक सोचने विचारने की जरूरत है।

आज भी जब हम जनजाति बंधुओं के बीच में जाते हैं तो उनकी सांस्कृतिक परंपराओं को देखकर अभिभूत हो जाते हैं । इसलिए यह समय सापेक्ष है कि हम जनजाति समाज के सीधे-साधे लोगों को यदि जाकर उन्हें अपने सांस्कृतिक बोध से अवगत कराते रहें। उन्हें तरह-तरह के प्रलोभनों उसे दूर रखने का प्रयास करें ।और सबसे बड़ी बात यह भी है कि उन्हें भरपूर स्नेह मिले सम्मान मिले। उनके आर्थिक अभाव को भी दूर करें ताकि वे कभी भी किसी धर्म वालों द्वारा दिये जाने वाले प्रलोभनों में फंसे कर धर्मांतरण न कर लें।

प्रसंग

पसंद अपनी अपनी

अलवर नरेश मंगलसिंह अंग्रेजियत के पक्के अनुयायी थे। अंग्रेजी रहन-सहन, खान- पान, वेशभूषा तथा वही सभ्यता और संस्कृति उन्हें पसन्द थी। जितनी आसक्ति उनकी अंग्रेजी सभ्यता के प्रति थी, उतना ही विरोध उन्हें हिन्दू धर्म तथा संस्कृति से था। किन्तु उनका दीवान देशभक्त था। उसे स्वामी विवेकानन्दजी पर विश्वास था कि महाराजा की विचार धारा मोड़ने में उनका सहयोग अवश्य सफल हो सकता है। इस कारण वह महाराजा को स्वामीजी के पास ले गया। मंगलसिंह ने स्वामीजी से भेंट होते ही तब पर निल तिरस्कारपूर्ण मुद्रा में प्रश्न किया, आप पढ़े-लिखे होकर भी यों भिक्षावृत्ति के सहारे अपनी आजीविका क्यों चलाते हैं? कहीं परिश्रम करके द्रव्यार्जन क्यों नहीं करते ? उत्तर में स्वामीजी ने उन्हीं से प्रश्न किया, क्या मैं पूछ सकता हूँ कि आप उत्तर विदेशी शासकों की, जो हमारे देश को गुलाम बनाये हुए हैं, सभ्यता के प्रति इतने आसक्त क्यों हैं ? मंगलसिंह ने उत्तर दिया, इसलिये कि मुझे उसमें आनन्द आता है। इस पर स्वामीजी बोले, बस, वही स्थिति मेरी भी है। आनन्द ही प्रत्येक प्राणी का चरम लक्ष्य है, किन्तु उसे श्लाघनीय तभी माना जा सकता है, जब वह अखण्ड हो, शाश्वत हो, अनश्वर हो, अपरिवर्तनीय हो। मुझे भी दूसरों की सेवा करने में, उनके दु:ख दूर करने में तथा अपनी संस्कृति एवं धर्म का प्रचार एवं प्रसार करने में आनन्द आता है और उसके लिये यह वेश तथा जीवन का यह क्रम आवश्यक है।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1994 हैरी कॉर्निक जूनियर मैरिड जिल कूडारे। हैरी एक गायक है और जिल एक मॉडल है।
1999 न्यू माइक्रोव नामक सबसे बड़े आकार के जीवाणु का अमेरिका में पता चला।
2002 दक्षिण कोरिया में विमान दुर्घटना में 120 मरे।
2007 यूनाइटेड स्टेट्सहिस्टोन में सबसे घातक शूटिंग की घटनाओं में से एक बंदूकधारी ने वर्जीनिया के ब्लैकबर्ग में वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट और स्टेट्यूनिवर्सिटी में 20 से अधिक लोगों की आत्महत्या कर ली और 32 से अधिक लोगों की मौत हो गई।
2008 लंदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण हुआ।
2012 अर्जेंटीना की राष्टपति क्रिस्टीना फर्नांडीज ने इ्क्क्न के 5त्न का राष्ट्रीयकरण बिल पेश किया। इ्क्क्न अर्जेंटीना में स्थित एक तेल कंपनी है।
2013 ईरान में भूकंप से 37 मरे।
2014 दक्षिण कोरियाई नौका एमवी सीवोल डोंगेमोचाडो, जिंदो काउंटी के 1.5 किमी (0.93 मील) की दूरी पर स्थित है, जिसमें 476 जहाज हैं, जिनमें 172 लोग बचे हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शाण्डिल्यापानषद् (भाग-05)

गतांक से आगे...

जिह्वा के ऊपरी भाग तक सरस्वती नाड़ी प्रतिष्ठित है। बायें कान तक ऊपर की ओर गमन करती हुई शंखिनी नाड़ी स्थित है। इड़ा नाड़ी के पृष्ठ भाग की ओर से बायें नेत्र तक गमन करने वाली गांधारी नाड़ी कहलाती है। गुदा क्षेत्र के मूल से नीचे ऊपर की ओर जाने वाली अलम्बुसा नाड़ी कहलाती है। इन चौदह प्रकार की नाड़ियों में अन्य और दूसरी नाड़ियाँ भी स्थित हैं। उन नाड़ियों के अन्दर भी अन्य इस प्रकार की बहुत सी नाड़ियाँ हैं। जिस प्रकार से पीपल आदि के पत्ते शिराओं (केशों) से संव्याप्त होते हैं, उसी तरह शरीर भी तरह-तरह की नाड़ियों से संव्याप्त है।

प्राण, अपान, समान, उदान, व्यान, नाग, कूर्म, कृकर, देवदत्त एवं धनञ्जय- ये दस तरह के वायु इन समस्त नाड़ी संस्थानों में विचरण करते रहते हैं। मुख, नासिका, गला, नाभि, पैर के दोनों अँगूठे तथा कुण्डलिनी के नीचे एवं ऊर्ध्व के भागों में प्राणतत्त्व विचरण करता रहता है। कर्णेन्द्रिय, नेत्र, कमर, गुल्फ, नासिका, गला एवं कूल्हे के क्षेत्रों में व्यान भ्रमण करता रहता है। गुदा, लिंग, जानु, पेट, वृषण, कटि प्रदेश, नाभि और अग्निसंस्थान में अपान संव्याप्त रहता है। समस्त संधि अर्थात् जोड़ के संस्थानों में उदान सतत विचरण करता रहता है। पैर, हाथ एवं अन्य सभी अंग-अवयवों में समान संव्याप्त रहता है। खाये हुए अन्न के रस को शरीर की अग्नि के साथ संव्याप्त करके समान वायु बहत्तर हजार नाड़ियों के मार्ग में विचरण करता रहता है एवं अग्नि के साथ सांगोपांग शरीर में विद्यमान रहता है।

नाग आदि पाँच प्रकार की वायु त्वचा, अस्थि आदि में प्रतिष्ठित रहते हैं। उदर में रहने वाले जल तथा अन्न को रस आदि के रूप में ले जाकर पेट में रहने वाला प्राण वायु पृथक-पृथक् करता है। आग के ऊपर जल रखकर तथा जल के ऊपर अन्न आदि प्रतिष्ठित कर स्वयं अपान के पास पहुँचकर वायु तत्त्व इसी अपान के साथ शरीर में स्थित अग्नि की ओर गमन करता है। अपान वायु से रक्षित अग्नि शरीर के मध्य में मन्द मन्द प्रज्वलित रहता है। यह अनि अपनी ज्वाला एवं प्राण वायु के द्वारा कोठे के मध्य में स्थित रहने वाले जल को खूब गर्म करता है और उस पानी के ऊपर रखे शाक-दाल के सहित अन्न को प्राणवायु, अग्नियुक्त जल के द्वारा पकाता अर्थात् पचाता है तथा उसी में से पसीना, मूत्र, खून, वीर्य, रस, विष्ठा (मल) आदि को पृथक-पृथक् करता है। तदनन्तर समान वायु के साथ-साथ समस्त नाड़ियों में रस को प्रसारित करता हुआ प्राण वायु श्वास के रूप में शरीर में विचरण करता रहता है। शरीर के नौ व्योमरन्ध्रों (घटाकाश के छिद्रों) के द्वारा वायु, मल, मूत्र आदि को बाहर निष्कासित करता है। श्वासोच्छ्वास तथा खाँसी यह दोनों ही प्राण तत्त्व के कर्म कहलाते हैं।

क्रमश:...

पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक महाप्रभु वल्लभाचार्य

गोपाल चतुर्वेदी

महाप्रभु वल्लभाचार्य शुद्धाद्वैत ब्रह्मवाद के महान आचार्य और पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक थे। उन्होंने भारतीय दार्शनिक चिंतन को समन्वयात्मक दृष्टि प्रदान की। साथ ही भारतीय धर्म-साधना को नवीन आयाम एवं वैष्णव धर्म की कृष्ण भक्ति धारा को अपूर्व विशिष्टता प्रदान की। वह विष्णु स्वामी संप्रदाय की परंपरा में एक स्वतंत्र भक्ति पंथ के प्रतिष्ठाता, शुद्धाद्वैत दार्शनिक सिद्धांत के समर्थक व प्रचारक थे। उन्होंने शास्त्रार्थ में काशी के अनेक विद्वानों को पराजित किया था। साथ ही वे जगदगुरु के पद से अलंकृत हुए थे।

महाप्रभु वल्लभाचार्य के पूर्वज आंध्र प्रदेश के कांकरखाड़ के निवासी व तैलंग ब्राह्मण थे। उनके माता-पिता जब धर्म-यात्रा पर निकले हुए थे, तब संवत् 1535 की वैशाख कृष्ण एकादशी को इनका जन्म काशी (उत्तर प्रदेश) के निकट हुआ था।

महाप्रभु वल्लभाचार्य भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य उपासक थे। वह वेद शास्त्र में अत्यंत पारंगत थे। वह वेद, वेदांत, दर्शन, पुराण व काव्यादि में अपनी छोटी-सी आयु में ही पारंगत हो गये थे। वे वैष्णव धर्म के अलावा जैन, बौद्ध, शैव, शाक्त, शांकर आदि धर्म-संप्रदायों के अद्वितीय विद्वान थे। उन्होंने श्रीकृष्ण भक्ति के प्रचार के लिए समूचे देश की तीन परिक्रमाएं कीं। उनका यह मानना था कि हम सभी को अपने जीवन का केंद्र व लक्ष्य भगवान श्रीकृष्ण को ही मानना चाहिए, न कि संसार को। सारे संसार को भगवादप्राप्ति का यह मंत्र %श्रीकृष्ण शरणम मम% उन्हीं के द्वारा प्रदत्त है। उन्होंने कृष्ण भक्ति धारा की दार्शनिक पीठिका तैयार की और देशाटन करके उसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया।

उनके समय में उपनिषद, गीता एवं ब्रह्मसूत्र को ही सर्वाधिक महत्व प्राप्त था। जो व्यक्ति इन पर अपनी टीकाएं लिखता था, वही व्यक्ति आचार्य पद पर आसीन होने का अधिकारी होता था, परंतु महाप्रभु वल्लभाचार्य ने इस अवधारणा के विपरीत %प्रस्थान चतुष्टय% का प्रतिपादन किया। साथ ही उन्होंने उक्त तीन ग्रंथों में श्रीमद्भागवत महापुराण को भी संयुक्त किया। इसका मुख्य कारण था उनकी अनन्य कृष्ण भक्ति।

महाप्रभु वल्लभाचार्य ने समाज के अभ्युत्थान और निःश्रेयश की प्राप्ति, संसार में सर्वांगीण उन्नति एवं पारलौकिक परम सिद्धि के लिए छ: सूत्र प्रतिपादित किए - यथा शक्ति स्वधर्म का आचरण करना, विधर्म से बचना, संयम और अनुशासन पूर्ण जीवन जीना, सभी में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करना, वैराग्यमय जीवन जीना और जो प्रभु इच्छा से हो रहा है, उसमें संतुष्ट रहना। उनका कहना था कि ब्रह्मांड भगवान श्रीकृष्ण का ही स्वरूप है। वह सभी जड़-चेतन में विद्यमान हैं। इस प्रकार उनका भक्ति चिंतन प्रभु और जीव के मध्य एक घनिष्ठ संबंध स्थापित करता है। कहते हैं कि वल्लभाचार्य ने ही अपने प्रमुख शिष्य भक्त सूरदास से कृष्ण लीला का गायन करवाया।

महाप्रभु वल्लभाचार्य ने अपने एक स्वप्नादेश पर गोवर्धन में पृथ्वी के नीचे से श्रीनाथ जी के विग्रह को निकाल कर अपने शिष्यों के सहयोग से बने भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित किया। कालांतर में उनके जीवित न रहने पर यवनों के मूर्ति भंजन के अभियान से बचाकर इस विग्रह को श्रीनाथद्वारा ले जाकर वहां प्रतिष्ठित किया। ब्रज में महाप्रभु वल्लभाचार्य की तमाम बैठके हैं, जिनके दर्शन के लिए श्रद्धालु यहां आते रहते हैं।

बार बार क्यों टूट जाती है विपक्षी एकता की डोर?

आलोक कुमार

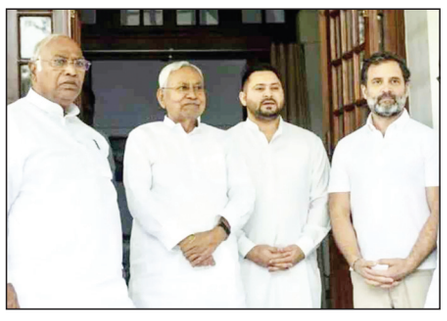

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता के केंद्रबिंदु बनने हेतु प्रयासरत हैं। विपक्ष से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होने की चाहत में उन्होंने सात महीने पहले एनडीए का साथ छोड़ा था। तब से लगातार प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस को रिझाने में लगे हैं। उनके लिहाज से लोकसभा की सदस्यता और लुटियंस जोन की कोठी तक गंवा बैठे राहुल गांधी से 12 अप्रैल को हुई मुलाकात महत्वपूर्ण है। असल में नीतीश कुमार 2009 से ही प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होने की जुगत में लगे हैं जब लोकसभा चुनाव में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में एनडीए को हार मिली थी। यह बात दीगर है कि तब वो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से आस लगाए बैठे थे। इसके लिए वह आज भी उम्र की वजह से राजनीति से रिटायर हो चुके आडवाणी जी से अपने मधुर रिश्ते की दुहाई देते रहते हैं। भाजपा ने बेजोड़ जीत के लिए 2013 में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर नीतीश की उम्मीद पर पहला कुठाराघात किया था। इससे निराश होकर उन्होंने एनडीए का दामन छोड़ धुरविरोधी लालू प्रसाद को गले लगाना और लोहिया जैसे बड़े समाजवादी नेताओं की भावना के विपरीत कांग्रेस के साथ गठबंधन कबूल कर लिया।

अब जाकर लंबे समय बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बढ़ी मुश्किल के बीच नीतीश कुमार की उम्मीद की गोटी सियासी बिसात पर थोड़ी बहुत बैठने लगी है। लिहाजा उनकी कोशिशों के नतीजे का इंतजार दिलचस्प होने वाला है। दिल्ली में कांग्रेस नेता से उनकी ताजा मुलाकात नीतीश कुमार के लिए बहुप्रत्याशित ब्रेक थ्रू है। यह मुलाकात बुजुर्ग कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास 10, राजाजी मार्ग पर हुई है जो दो पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का कार्यकाल समाप्ति के बाद का सरकारी आवास हुआ करता था। बीते साल अगस्त में रातोंरात बिहार में एनडीए का दामन छोड़ देश का प्रधानमंत्री होने की ख्वाईश में नीतीश कुमार महागठबंधन की सरकार चला रहे हैं। जब से उन्होंने एनडीए से हालिया नाता तोड़ा है तब से कांग्रेस पार्टी अंदरूनी व्यस्तताओं में उलझी रही है। कांग्रेस अपने अध्यक्ष के चुनाव और राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के जरिए विपक्ष से प्रधानमंत्री का उम्मीदवार प्रोजेक्ट करने की तैयारी में व्यस्त थी। इसलिए राहुल गांधी से नीतीश कुमार की मुलाकात लटककर रह गई थी। अब जाकर यह लटकन खत्म हुई है। हालांकि खुद की तसल्ली के लिए नीतीश ने अपने बीमार बड़े भाई लालू प्रसाद के साथ तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलकर फोटो ऑप्स करवा लिया था। राहुल से मिलने के लंबे इंतजार से बेसब्र नीतीश कुमार का कांग्रेस पर लगातार दवाब बना रहा कि जो करना है, जल्द फैसला लें, ताकि विपक्षी एकता के बल पर भारतीय जनता पार्टी को राजनीति का मजा चखाया जा सके। बकौल नीतीश कुमार उनको विपक्षी एकता की कमान मिले तो 2024 के अगले लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल को महज सौ से कम सीटों पर लाकर समेट दिया जाएगा। वह लगातार सार्वजनिक मंचों से यह बात कह रहे हैं।

हालांकि इसमें सबको पता है कि इस दावे में कई लोच हैं। एक तो सामने नरेंद्र मोदी हैं, जिनकी लोकप्रियता आम जनता में बरकरार है। दूसरा, राहुल गांधी की सदस्यता जाने से अभी जो कांग्रेस पार्टी में प्रधानमंत्री के उम्मीदवार का टोटा दिख रहा है, वह स्थाई रहेगा यह कहना मुश्किल है। क्योंकि इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी है। उसका नतीजा आना बाकी है। तीसरा, राहुल की अयोग्यता का कतई मतलब नहीं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी को समाजवादी धुरी की राजनीति करते रहे नीतीश कुमार के पीछे आंख मूंदकर लगा दिया जायेगा। समाजवादियों और कांग्रेस का विराग डॉ. राममनोहर लोहिया के दिनों से चला आ रहा है। राहुल गांधी से हुई ताजा मुलाकात में बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह और आरजेडी नेता मनोज झा साथ रहे। बिहार में दोनों पार्टी के मेल को अप्राकृतिक गठजोड़ मानने वालों के लिए इसके खास संकेत है कि आगे बीजेपी से संबंध सुधारने की अटकलें लगाने पर विराम लग जाए। मगर इस मुलाकात के कुछ ही घंटों बाद नीतीश कुमार जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंचे तो उनके साथ आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का कोई नुमाइंदा नहीं था। यह बताने के लिए काफी था कि विपक्षी एकता की कोशिश को अंजाम तक पहुंचने में अब भी मीलों का सफर तय करना बाकी है। जाहिर तौर पर कट्टर ईमानदार की छवि पेश करने को आतुर केजरीवाल भ्रष्टाचार की प्रतिमूर्ति बने लालू परिवार से फासले को भावी राजनीति के लिए जरूरी मानते हैं। इसलिए उन्होंने भतीजे तेजस्वी के साथ दिल्ली घूम रहे नीतीश कुमार से इस शर्त पर मिलना कबूल किया कि व्यक्तिगत मुलाकात में आरजेडी के लोग शामिल नहीं होंगे। हालांकि अतीत में विपक्षी एकता के मंच पर उनका लालू प्रसाद से गले मिलने का पोस्टर वायरल है।

राजनीतिक जरूरत के लिए नीतीश कुमार कुशाग्रता के साथ स्वच्छंद विचरण के लिए कुख्यात हैं। नीतीश कुमार की अधूरी इच्छा प्रधानमंत्री बनना है। हालांकि पत्रकारों के पूछे जाने पर वो तपाक से रोक देते हैं कि ये सब बात अभी नहीं लेकिन इस ख्वाब को पूरा करने में उन्हें कांग्रेस पार्टी का भरपूर साथ चाहिए। उनकी चाहत को पूरा करने के लिए कांग्रेस अगर उदारता दिखाती भी है, तो उसके लिए तमिलनाडु से एमके स्टालिन, केरल से सीपीएम, आंध्र प्रदेश से जगनमोहन रेड्डी अथवा चंद्रबाबू नायडू, तेलंगाना से चंद्रशेखर राव, ओडिशा से नवीन पटनायक, झारखंड से हेमंत सोरेन, पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी, उत्तर प्रदेश से अखिलेश यादव और मायावती, पंजाब में आप अथवा अकाली दल, महाराष्ट्र से महाविकास अघाड़ी आदि के समर्थन की आवश्यकता है। इस आवश्यकता का पूरा होना अनगिनत किंतु परंतु पर टिका है। यही वो राजनीतिक पेंच हैं जिसकी वजह से बार बार विपक्षी एकता की डोर टूट जाती है। इस बार नीतीश कुमार कौन सा मजबूत जोड़ लगायेंगे, इसे आनेवाला समय बतायेगा। बहरहाल यूपीए की ओर से अब नीतीश कुमार सभी विपक्षी पार्टियों से बातचीत करेंगे और दावा किया गया है इस महीने के आखिर तक सभी विपक्षी पार्टियों की सम्मिलित बैठक आयोजित करेंगे।

गांधी आज

साफ-सुथरी आदतें(भाग-01)

शारीरिक स्वच्छता के सिवा और भी साफ-सुथरी आदतें डालने की जरूरत है। इनके अभाव में हम उन लोगों के दिलों में नफरत पैदा करते हैं जिनकी आदतें सुथरी हैं। हमारी आँखों को ऐसा अभ्यास होना चाहिए कि वे गंदगी को देखकर खामोश न रह सकें। इसका अर्थ यह नहीं है कि गंदगी को देखकर हम वहाँ से खिसक जायं, बल्कि फौरन उस गंदगी को दूर करने का उपाय करें। सुथरी आदतोंवाला आदमी कभी बैठने की जगह को साफ किए बिना न बैठेगा, और जब उठेगा, तब भी उसे साफ कर देगा। वह हर जगह कागज के टुकड़े या दूसरा कूड़ा-करकट न फेंकेगा। जहाँ-तहाँ थूकेगा नहीं। दतौन का चीरन, बीडी के ठूंठ, जली हुई दियासलाइयाँ, चाहे जहाँ नहीं फेंकेगा। बल्कि इन सबके लिए खास टोकरी या दूसरा बरतन रखकर उसीमें फेंकेगा। साफ सुथरी आदतें लगाने के लिए नीचे के नियमों का पालन करना चाहिए- पानी लिए बिना पाखाने नहीं जाना चाहिए। पाखाने से आकर हाथ पाँव को मलकर धोना चाहिए और पाखाने का लोटा-खास उसी के लिए न हो तो अच्छी तरह मलकर माँजना चाहिए। पीने के पानी के मटके में डुबोने को अलग बरतन रखना चाहिए। जूठा बरतन तो उसमें कदापि न डालना चाहिए। मटके के पास इस तरह खड़े रहकर पानी नहीं पीना चाहिए कि पानी की छींटें मटके पर पड़ें। जहाँ बहुत से लोगों के लिए पीने का एक ही बरतन हो वहाँ प्याले या गिलास को मुँह से लगाकर पानी पीना अनुचित है। ऊपर से पीने की आदत डालनी चाहिए और जो इस तरह न पी सके उन्हें अपना बरतन अलग रखना चाहिए या चुल्लू अंजलि से पीना चाहिए।

जहाँ भोजन किया हो वहाँ यदि खाने की चीजें बिखरी हों तो उन्हें उठाकर उस जगह को घर के अंदर हो तो धोकर और खुले में हो तो अच्छी तरह बुहार कर साफ कर देना चाहिए। ऐसा होने के पहले उस जगह में घूमना-फिरना झूठन चिपके पाँवों से साफ जगहों और कमरे में आना-जाना तथा उस जगह दूसरों को भोजन कराना अनुचित है। इसके सिवा ऐसा स्थान मक्खियों की बला को न्योता देने के समान है। साधारणत: कलछी या चमचे से ही परोसने चाहिए। साग, दाल या भात जैसी चीजें हाथ से नहीं परोसनी चाहिए। इससे भी ज्यादा खराब है. जूठे हाथों से परोसना। रोटी अथवा पूरी जैसी सूखी चीजें भी जूते हाथ से नहीं देनी चाहिए।

क्रमश:...

संक्षिप्त समाचार

थान खम्हरिया तहसील से हटाया गया धारा 144

बेमेतरा। जिला बेमेतरा विकासखंड साजा के ग्राम बिरनपुर में 08 अप्रैल 2023 को दो पक्षों में विवाद होने और कानून व्यवस्था स्थिति निर्मित होने के कारण शांति सुरक्षा विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाये रखने के लिए संपूर्ण बेमेतरा जिले में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 प्रभावशील किया गया था। समसंख्यक आदेश के अनुसार साजा अनुभाग एवं बेमेतरा शहरी क्षेत्र को छोड़कर जिले के शेष स्थानों से धारा 144 हटायी गई थी। कानून व्यवस्था की समीक्षा उपरांत जिलादंडाधिकारी श्री पदुम सिंह एल्मा ने आदेश जारी कर तहसील थानखम्हरिया क्षेत्र से धारा 144 हटा दिए है तथा तहसील साजा एवं बेमेतरा शहरी क्षेत्र में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 आगामी आदेश पर्यन्त पूर्ववत् प्रभावशील रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

18 तक प्रस्तुत कर सकते है बिरनपुर घटना के जांच के संबंध में अभ्यावेदन

बेमेतरा। ग्राम बिरनपुर तहसील साजा, जिला बेमेतरा में 8 अप्रैल को दो पक्षों के बीच घटित घटना की स्थिति की जांच के संबंध में यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्था कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत करना चाहता है, तो कार्यालय आयुक्त, दुर्ग संभाग दुर्ग (हिन्दी भवन, दुर्ग) में संपूर्ण तथ्य एवं सबूत सहित अभ्यावेदन दिनांक 18 अप्रैल को सायं 05:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। यदि ईमेल/व्हाट्सएप करना हो तो durgcom-mvv@gmail.com/7987051600 में कर सकते है ।

मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-बैकुंठपुर में बढ़ती गर्मी से स्कूल की समय सारणी बदली

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-बैकुंठपुर। कलेक्टर पीएस ध्रुव ने ज़िले में पड़ रहे अत्यधिक गर्मी को देखते हुए छात्रहित में समस्त शालाओं के संचालन समय में परिवर्तन किया है। जारी आदेशानुसार दो पाली में संचालित होने वाले स्कूलों में प्रथम पाली प्रात: 7.30 बजे से 11.30 बजे तक तथा द्वितीय पाली प्रात: 11.30 बजे से 4.30 बजे तक संचालित की जायेंगी। इसी तरह एक पाली में संचालित होने वाले स्कूलों का समय प्रात: 7.30 बजे से 11.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह आदेश 13 अप्रैल से ज़िले के समस्त स्कूलों में लागू किया गया है।

शहर की गलियों में घूमता नज़र आया भालू, वन विभाग टीम खोजबीन में जुटी

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के

अंबिकापुर शहर के मध्य स्थल देवीगंज रोड में सहित आस - पास के क्षेत्र में आधी रात को जंगल की ओर से आया भालू शहर में विचरण कर रहा था। इसके बाद इसकी जानकारी वन विभाग की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पहुंचकर भालू को शहर से बाहर खदेड़ने की कोशिश करते नजर आ रहे है। फ्लिहार भालू ने किसी प्रकार से कोई नुकसान नहीं पहुचाया हैं। वहीं किसी ने भालू का वीडियों बनाकर सोशल मीडिया में डाल दिया,और यहाँ सोशल मीडिया में भालू के आने का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

सीएम के घोषणा के बाद प्राथमिक एवं हाईस्कूल में निर्माण कार्य का शुभारंभ

पाटन। पाटन ब्लाक के ग्राम भनसुली(के)में 5 सितंबर शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 15 लाख की स्कूल की मूलभूत सुविधाओं के लिए घोषणा किए थे। जिसका निर्माण कार्य शुभारंभ सीएम के प्रतिनिधि अशोक साहू उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग,दिनेश साहू सभापति जप, रमन टिकरिहा सभापति जप, कमलेश वर्मा उपाध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस,दिनेश साहू महामंत्री, डा केके साहू सेक्टर प्रभारी, पुरन साहू अध्यक्ष एसएमडीसी,सुंदर साहू के आतिथ्य में किया गया। सभी अतिथियों ने सीएम भूपेश बघेल के सरकार की योजनाओं की तारीफ करते हुए सभी वर्गों के हित में हो रहे कार्यों की सराहना किए।सभी अतिथियों का आभार प्राचार्य धर्मेंद्र सिन्हा ने किया।इस अवसर पर तुलसी डहरिया सरपंच,कमलेश साहू उपसरपंच,महेश साहू, गैंदलाल डहरिया पूर्व जप,रामचरण साहू, पदमन साहू,राधेश्याम देवांगन, डा हेमंत साहू,भीम यादव,बिरेंद्र देवांगन, कृष्णा साहू,हेमलाल साहू,राधा साहू, मंथीर साहू,सेवक देवांगन,नरेश देवांगन,महीप साहू, करण साहू,ओंकार देवांगन,अनिल टंडन सहित शिक्षकगण, पंचगण सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सचिव संघ की हड़ताल में जनप्रतिनिधि शामिल हुए

पाटन। पंचायत सचिवों के आंदोलन स्थल पर जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष देवेन्द्र चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हर्षा लोकमनी चंद्राकर जनपद सदस्य उत्तरा सोनवानी रवि सिन्हा सरपंच मोहन साहू पहांदा श्रीमती कंचन सोनवानी ओरी हरिशंकर साहू अरसनारा भागवत सिन्हा केसरा मंडल अध्यक्ष लोकमणी चंद्राकर लालेश्वर साहू टेसराम साहू उपास्थित हुए।

अनुपमा छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव बनी

रिसाली। छग प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष फूलो नेताम व राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष डिसूजा की अनुसंशानुसार प्रभारी सुनीता सहरावत के आदेश पर रिसाली की महिला नेत्री श्रीमतीं अनुपमा गोस्वामी को छग महिला कांग्रेस का प्रदेश सचिव बनाया गया है।

कांग्रेस की सरकार ने नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन बंद कर दिया है : रमन

जनता का कांग्रेस से भरोसा उठ गया है, इसीलिए चुनाव से पहले भरोसा सम्मेलन करना पड़ा

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जब से कांग्रेस की सरकार आई है तब से नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन बंद कर दिया गया है। यही वजह है कि नक्सली जंगल छोड़कर अब मैदानी इलाकों तक पहुंच चुके हैं। फोर्स को आगे बढने नहीं दिया जा रहा है इसलिए नक्सलियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस सरकार नक्सलियों को बैकफुट पर ढकेलने में असफल रही है। यही वजह है कि बस्तर में एक बार फिर से नक्सलियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। उन्होने कहा कि पिछले कुछ महीनों में 4 भाजपा कार्यकर्ताओं की नक्सलियों द्वारा निर्मम हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार थी तो उस समय ऑपरेशन भी बहुत होते थे, कई कैंप भी बिठाए गए थे। जब तक अंदर जाएंगे नहीं, लड़ेंगे नहीं तब तक घर बैठे नक्सल समस्या का समाधान नहीं होगा।

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि चुनाव से पहले मैंने

कवासी लखमा से नहीं कहा था कि आप गीता पर हाथ रखकर कसम खाइए। गली-गली में जाकर प्रदेश की जनता से शराबबंदी का झूठा वादा किया था। सिर्फ चुनाव जीतने के लिए छत्तीसगढ़ की बहनों के साथ मजाक किया था। अब इसका बदला हमारी बहने लेंगी। आबकारी मंत्री कवासी लखमा के बस्तर में कभी शराब बंद नहीं हो सकती वाले बयान पर कहा कि, यदि बात परंपरा की हो तो उसे कायम रखा जाएगा लेकिन छत्तीसगढ़ में शराबबंदी का मसला अलग है। उन्होने कहा कि यहां की जनता का कांग्रेस से भरोसा उठ गया है, इसीलिए साढ़े चार वर्ष के बाद भूपेश बघेल को चुनाव से चंद महीने पहले भरोसा सम्मेलन करना पड़ा।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के बस्तर दौरे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रियंका यहां आई, उनका स्वागत है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 10 मिनट के लिए उन्हें नारायणपुर लेकर जाते और वहां किस तरह से धर्मांतरण हो रहा है यह दिखाते। कांग्रेस की सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। सरगुजा, जशपुर से लेकर बस्तर तक कई घटनाएं हो रही है, लगातार धर्मांतरण करवाया जा रहा है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ईडी की प्रक्रिया नहीं जानते हैं, इसलिए कुछ भी कहते हैं। प्रियंका के भाषण के दौरान टीएस सिंहदेव के मंच से उठकर चले जाने वाले सवाल पर कहा कि बाबा की महिमा वे ही जाने।

रमन सरकार ने 15 सालों में आदिवासियों के अधिकारों को छीन लिया था - भूपेश बघेल

रायपुर। जगदलपुर में पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह द्वारा नक्सली मुद्दे पर दिए गए बयान पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पलटवार किया है। श्री बघेल ने पूर्व मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि 15 सालों में रमन सिंह सरकार ने जनता के अधिकारों को छीन ली थी, उसे हमने वापस दिलाया। बस्तर के वनांचल क्षेत्रों में नक्सली दहशत के कारण कई स्कूलें बंद थी उसे पिछले चार वर्षों में हमने फिर से शुरु करवाया। बस्तर वासियों की न जाब कार्ड, न आधार कार्ड, न राशन कार्ड कुछ भी रमन सरकार में नहीं बना था, बल्कि बनवाने में मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन हमने वहां ऐसी व्यवस्था की है कि अब आसानी ये सारी सुविधा उन्हें उपलब्ध हो रही है। 13 अप्रैल को जगदलपुर में हुए भरोसे के सम्मेलन को लेकर रमन सिंह के दिए बयान को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि रमन सिंह कभी सम्मेलन करा नहीं सकते हैं इसलिए उनको तमाशा लग रहा है। लोगों को जबरदस्ती ढोकर लाते थे, उनको भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व पूछ नहीं रहा है। श्री बघेल ने बस्तर बना ब्रांड वाले रमन सिंह के बयान पर कहा कि उनके समय में कोई सैलानी बस्तर नहीं जाता था, लोग डरे हुए थे, फर्जी एनकाउंटर हुए। शायद पूर्व मुख्यमंत्री बस्तर की इसी पहचान को बनाए रखना चाहते है, लेकिन हमारी सरकार ने वनांचल क्षेत्र की चहुमुखी विकास किया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने रमन सिंह के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि हमने प्लांट शुरु नहीं होने पर आदिवासियों की अधिग्रहित जमीन उनको वापस लौटाई। बस्तर के लोगों को निःशुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई। रमन सिंह के समय जवानों को राशन पहुंचाने मशक्कत करनी पड़ती थी।

छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में प्रवेश लेने की उम्र का बंधन समाप्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में प्रवेश लेने की उम्र की सीमा समाप्त किए जाने से पढने के इच्छुक लोगों को पढ़ाई का फिर से मौका मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं। साथ ही कॉलेजों में विभिन्न विषयों के नए-नए संकाय प्रारंभ किए जा रहे हैं। राज्य के कॉलेजों में लड़कियों के प्रवेश लेने की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। यह छत्तीसगढ़ के लिए शुभ संकेत है, आने वाले दिनों में महिलाओं को सशक्त होने का मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल की पहल पर उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के स्तर की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नैक के द्वारा निर्धारित विभिन्न मापदण्डों के अनुरूप शैक्षणिक अधोसंरचना एवं अकादमिक स्तर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड पर नैक से संबद्धता प्राप्त करने का अभियान प्रारंभ किया गया है। वर्तमान में नैक से मूल्याकिंत कॉलेजों की संख्या 192 हो गई है।

सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि कॉलेज में प्रवेश लेने वालों छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जहां 2018-19 में करीब 2 लाख 26 हजार 373 छात्रों ने कॉलेज में प्रवेश लिया वहीं यह संख्या वर्ष 2022-23 में 48 प्रतिशत बढ़कर 3 लाख 35 हजार 139 हो गई है। जो कि 2018-19 की तुलना में एक लाख 8 हजार 766 अधिक है। कॉलेज में पढने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विगत 4 वर्षों में कुल 33 नवीन शासकीय एवं 76 अशासकीय महाविद्यालय की स्थापना की गई है। छत्तीसगढ़ में 285 शासकीय महाविद्यालय, 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय एवं 252 अनुदान अप्राप्त अशासकीय महाविद्यालय संचालित हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत 09 राजकीय एवं 15 निजी विश्वविद्यालय संचालित है। बिलासपुर से रायगढ़ की दूरी को ध्यान में रखते हुए रायगढ़ में शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। शैक्षणिक स्तर को ऊँचा करने के उद्देश्य से प्रदेश में शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के कुल 27 विषयों पर 1384 रिक्त पदों के लिए भर्ती जारी की गई थी, जिसमें से 1167 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा ग्रंथपाल, क्रीड़ा अधिकारियों सहित अन्य शैक्षणिक और अशैक्षणिक पदों पर भी भर्ती की गई है।

धर्मांतरण कराने वालों को भूपेश सरकार का संरक्षण- बृजमोहन

- **आदिवासियों की संस्कृति परंपराओं की रक्षा के लिए भाजपा है संकल्पित।**
- **भूपेश को सपने में भी आरएसएस भाजपा दिखती है**

रायपुर। डी लिस्टिंग को लेकर हो रहे आंदोलन में भाजपा की भूमिका को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की टिप्पणी पर वरिष्ठ भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि उनकी कांग्रेस पार्टी ही आदिवासियों के धर्मांतरण कराने वालों को प्रश्रय देती है। इसीलिए वो डी लिस्टिंग को लेकर आंदोलित आदिवासियों के आंदोलन पर उंगली उठा रहे है।

बृजमोहन ने कहा कि छत्तीसगढ़ ही नही अपितु देश भर आदिवासी अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए चिंतित है। ऐसे बहुत से लोग हैं जो धर्म परिवर्तन करके अपनी आस्था,अपनी संस्कृति,अपने संस्कारों और अपनी परंपराओं को परिवर्तित करने के बाद भी आदिवासियों की सुविधाएं ले रहे हैं। आदिवासियों के अधिकारों को छीन रहे हैं।

इसी बात के विरोध में पूरे देश का आदिवासी समाज आक्रोशित है,आंदोलित है। उन्होंने कहा कि बस्तर में ही 50 से ज्यादा आंदोलन डी लिस्टिंग को लेकर चल रहे है। नारायणपुर की घटना भी इसी का परिणाम है। बस्तर में कई जगह हालत ये है कि आदिवासी समाज अपने श्मशान घाटों में धर्म परवर्तित कर ईसाई बने लोगों को दफनाने की जगह नहीं दे रहा है। यह एक गंभीर समस्या बनकर सामने आई है। बृजमोहन ने कहा कि मुझ लगता है पूरे देश का आदिवासी समाज आज डी लिस्टिंग पर आंदोलित है। परंतु कुछ स्वार्थी तत्व और पूर्व में रही सरकारों ने अपने निजी स्वार्थ के लिए आदिवासी समाज को तोड़ने के लिए धर्मांतरण का कुचक्र चलाया है। उन्होंने कहा कि आजकल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी को सपने में भी आरएसएस और भाजपा दिखने लगी है। वो अपनी गलतियों को देखें किस प्रकार से आदिवासियों के अधिकारों को छीन रहे हैं। बृजमोहन ने आरोप लगाया की आदिवासियों की परंपराओं को नष्ट करने वाले लोगों को कांग्रेस सरकार प्रश्रय दे रही है। मुख्यमंत्री सही मायने में आदिवासियों के हितैषी है तो उन्हें डी लिस्टिंग पर आंदोलित आदिवासी समाज का समर्थन करना चाहिए।

वनांचल के लगभग 5 हजार हेक्टेयर भूमि में हो रहा चारागाह विकास

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नरवा विकास कार्यक्रम के तहत वनांचल स्थित नालों में काफी तादाद में भू-जल संवर्धन संबंधी कार्य कराए जा रहे है। इसके अंतर्गत कैम्पा मद की वार्षिक कार्य योजना 2022-23 में 11 करोड़ 79 लाख रूपए की स्वीकृत राशि से वन क्षेत्रों के 4 हजार 751 हेक्टेयर क्षेत्र में चारागाह विकास का कार्य प्रगति पर है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने इसे वन्य प्राणियों के भोजन तथा रहवास सुधार के लिए काफी उपयोगी बताया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2022-23 में ही छत्तीसगढ़ प्रतिकरात्मक वनरोपण, निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण कैम्पा की वार्षिक कार्य योजना के तहत 1 हजार 503 नालों का चयन कर 6 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि का उपचार जारी है। इनमें 29 लाख से अधिक भू-जल संबंधी संरचनाओं का निमार्ण किया जा रहा है। इनके निमार्ण के लिए प्रदेश के 32 वनमंडल, 2 राष्ट्रीय उद्यान, 3 टाइगर रिजर्व तथा 1 ऐलीफेंट रिजर्व में 300 करोड़ रूपए से अधिक की राशि स्वीकृत है।

इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री संजय शुक्ला ने बताया कि कैम्पा के तहत वर्ष 2022-23 में प्रदेश के वनांचल स्थित 239 स्थलों का चयन चारागाह विकास के लिए किया गया है। इनमें सर्वाधिक 85 स्थलों का चयन वन्य प्राणी संरक्षण के अंतर्गत किया गया है। यहां स्वीकृत 4 करोड़ 93 लाख रूपए की राशि से 1 हजार 955 हेक्टेयर भूमि में चारागाह विकास किया जा रहा है। इसी तरह सरगुजा वनवृत्त अंतर्गत चारागाह विकास के लिए 62 स्थलों का चयन किया गया है। यहां 2 करोड़ 80 लाख रूपए की राशि से 1 हजार 120 हेक्टेयर भूमि में कार्य किया जा रहा है।

एक ही परिवार के दो पक्षों में विवाद, घरों में लगाई आग

सुकमा। सुकमा में थाना गादीरास क्षेत्र के धुरवापारा में रात्रि 8 बजे के आसपास अम्बेडकर जयंती मना कर गए एक ही खानदान के दो परिवारों के मध्य जो शराब के नशे में थे जमीन, फसल और पारिवारिक कलह के कारण विवाद हो गया। एक परिवार ने दूसरे के साथ मारपीट की और उनके घरों को आग से नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। इस सूचना पर तत्काल मौके पर पुलिस अधीक्षक सुकमा के निर्देश पर एसडीएम सुकमा, तहसीलदार गादीरास, एसडीओपी सुकमा, टीआई गादीरास पुलिस बल के साथ पहुंच कर घटना में घायल हिड़मा सोढ़ी और सोढ़ी बीजा को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। घर की आग को बुझाया गया है और घटना में शामिल चार आरोपी सोढ़ी कोशा, सोढी सुला, सोढी मंगडू और सोढ़ी सोमडा को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोढ़ी बिजजा की पत्नी सोढ़ी मासी इन दोनों के साथ मारपीट हुई। हिड़मा सोढ़ी की पत्नी भीमे सोढ़ी इनके साथ भी मारपीट हुई है। सोढ़ी बेवा का घर जलाया गया है। 12 से 15 लोग आये और ईसाई धर्म अपनाने की बात कहते हुए जमकर मारपीट की।

जिले में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाए रखने समाज प्रमुखों और राजनीतिक दलों से अपील

- **सोशल मीडिया में प्रसारित फेक वीडियो, फोटो या किसी भी तरह के भड़काऊ पोस्ट से बचें**

मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-बैकुंठपुर। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से जिले वासियों से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की है। इस संबंध में बुधवार को दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न समाज प्रमुखों, धार्मिक संगठनों, राजनीतिक दलों, व्यापारिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और गणमान्य नागरिकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री पीएस ध्रुव ने कहा कि जिले की पहचान शांति प्रिय एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा की रही है और इसे बनाए रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इन दिनों सोशल मीडिया में अफ्वाह फैलाने वाले फेक न्यूज वायरल हो रहे हैं। इसकी सत्यता जाने बिना आक्रोशित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की खबरों की मॉनिटरिंग के लिए एसपी कार्यालय में मॉनिटरिंग सेल बनाया गया है। इस तरह की खबर संज्ञान में आने पर तत्काल इसकी सूचना एसपी-कलेक्टर को दें। उन्होंने सभी धर्म और सम्प्रदाय के

लोगों को आपसी सामंजस्य और भाई-चारे के साथ मिलजुल कर रहने की अपील की।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री टीआर कोशिमा ने बेमेतरा जिले की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इस तहत की घटना की आशंका को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन सख्त और गंभीर है। उन्होंने सभी संगठनों के पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे कानून व्यवस्था का पालन करें साथ ही यह भी कहा कि शांति व्यवस्था भंग होने की स्थिति में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने में पीछे नहीं रहेंगे। उन्होने कहा कि सोशल मीडिया में प्राप्त फेक न्यूज की शेयरिंग को रोकना होगा क्योंकि इससे युवा वर्ग जल्दी आक्रोशित होते हैं। उन्होने सभी समाज प्रमुखों से अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने और युवाओं पर नियंत्रण रखने का आग्रह किया।

छत्तीसगढ़ के विकास में बंगाली समाज का महत्वपूर्ण योगदानः मुख्यमंत्री

भूपेश बघेल शामिल हुए बंगाली नववर्ष एवं बंगाली एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के विकास में बंगाली समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। बंगाली समुदाय शुरू से ही सचेत और जागरूक रहा है। बंगाल की धरती क्रांतिकारियों और समाज सुधारकों की रही है। इनके बिना देश की आजादी और नवनिर्माण की कल्पना नहीं की जा सकती है। राजा राममोहन राय और सुभाष चंद्र बोस के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। संत रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद पूरी दुनिया को बंगाल की सर्वश्रेष्ठ देन है। देश के भक्ति आंदोलन में भी बंगाल के संतो का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज बिलासपुर के कालीबाड़ी मैदान में आयोजित बंगाली नववर्ष एवं बिलासपुर बंगाली एसोसिएशन के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कालीबाड़ी में मां काली की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत ने की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बंगाली समुदाय को मोपका और तिफरा में 7 हजार और 5 हजार स्क्वेयर फीट जमीन आबंटित करने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश

कलेक्टर को दिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि दुर्गा पूजा और गणेश पूजा हमारी सांस्कृतिक पहचान बन गए हैं। बंगाल से छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक संबंध रहें है। लोगों के साथ उनकी संस्कृति भी चलती है। छत्तीसगढ़ ने बंगाल की संस्कृति को आत्मसात किया है। मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद और रविंद्रनाथ टैगोर की छत्तीसगढ़ यात्राओं का भी स्मरण किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने बंगाल के बाद सबसे ज्यादा समय छत्तीसगढ़ में ही बिताया है। उन्होंने पूरे 2 वर्ष तक का समय छत्तीसगढ़ में बिताया। स्वामी विवेकानंद के नाम पर ही छत्तीसगढ़ में एयरपोर्ट का नाम रखा गया है। रविंद्रनाथ टैगोर के द्वारा समाज को दिए गए योगदान को नही भुलाया जा सकता। श्री रविंद्रनाथ टैगोर ने भी छत्तीसगढ़ में समय बिताया है। उन्होंने अविभाजित बिलासपुर में अपनी पत्नी का इलाज करवाया था। कार्यक्रम में स्वागत भाषण बंगाली एसोसिएशन बिलासपुर के महासचिव देवाशीष लाल्टू घोष ने दिया।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की महान विभूतियों को छत्तीसगढ़ रत्न अवार्ड से सम्मानित किया। इनमें पद्म विभूषण पंडवानी गायिका श्रीमती तीजन बाई, न्यायमूर्ति श्री किशोर भादुड़ी, नीति आयोग के पूर्व सदस्य और अर्थशास्त्री श्री प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय शामिल हैं। शताब्दी समारोह में संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि सिंह, विधायक श्री शैलेश पांडे, नगर निगम बिलासपुर के महापौर श्री रामशरण यादव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री अटल श्रीवास्तव, जिला सहकारी बैंक बिलासपुर के अध्यक्ष श्री प्रमोद नायक, अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अभय नारायण राय, श्री विजय केशरवानी, श्री विजय पांडे, रामकृष्ण मिशन कोनी के संत श्री सेवाव्रतनंद महाराज, श्री रविघोष, सहित बंगाली समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे। समारोह में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

समाज के हृदय में भुनेश्वर हमेशा जीवित रहेंगे-साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने बेमेतरा जिले के बिरनपुर में हिंसा में मृत भुनेश्वर साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भुनेश्वर भौतिक रूप से हमसे बिछड़ गए हैं लेकिन समाज के हृदय में वे हमेशा रहेंगे। संस्कृति की रक्षा में उनका प्राणोत्सर्ग समाज और छत्तीसगढ़ की स्मृतियों में चिर स्थायी रहेगा। श्री साव ने साहू समाज तहसील साहू संघ गुरुर जिला बालोद द्वारा आयोजित स्वर्गीय भुनेश्वर साहू की श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि साहू समाज के सपूत स्वर्गीय भुनेश्वर साहू के सभी हत्यारों को जब तक सख्त सजा नहीं मिल जाती, जब तक भुनेश्वर के परिवार को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक भाजपा चैन से नहीं बैठेगी। बलिदान देने वाले भुनेश्वर के परिवार के

साथ है और सरकार की दमनकारी चेष्टाओं के बावजूद उनके परिवार को न्याय दिलाने संघर्ष करती रहेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कहा कि मेरी भुनेश्वर के परिवार से फोन पर बात हुई। मैंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनके साथ न्याय होगा, इंसाफ होगा। न्याय दिलाने के लिए भाजपा आपके साथ है और आपको न्याय दिलाकर रहेगी। भुनेश्वर के माता-पिता चाहते हैं कि हत्यारों को फांसी की सजा होनी चाहिए। भाजपा भी यही चाहती है कि भुनेश्वर के हत्यारों को फांसी हो। भाजपा हर कदम पर भुनेश्वर के परिवार के साथ है और भाजपा उन्हें न्याय मिलने तक संघर्ष करती रहेगी।

संघ ने संभाली 2023 के विधानसभा चुनाव की कमान?

कहते हैं छत्तीसगढ़ में 2023 के विधानसभा चुनाव की कमान अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) ने संभाल ली है। चर्चा है कि संघ के दिशा-निर्देश पर ही भाजपा 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। माना जाता है 2018 के विधानसभा चुनाव में संघ के लोग भाजपा के नेताओं से नाराज होकर घर बैठ गए थे , जिसके चलते भाजपा राज्य में 15 सीटों पर सिमट गई थी। कहा जा रहा है संघ जमीनी स्तर पर भाजपा के लिए आधार मजबूत करने में लग गई है। खबर है कि चुनाव के नजरिए से ही छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में संघ के शीर्ष नेताओं की दो बार बैठक हो चुकी है और ब्लाक-जिला स्तर पर भी संघ के पदाधिकारी लगातार बैठक कर रणनीति बनाने और लोगों के ब्रेन वाश में लग गए हैं। एक तरफ संघ राज्य में भाजपा की जीत के लिए जमीन को उपजाऊ बनाने में लगा है, तो दूसरी तरफ भाजपा के नेता बैठकों में लगे हैं। सुनते हैं बैठकों और कार्यक्रमों से भाजपा के जमीनी नेता अब उबने लगे हैं। पर संघ के अनुशासन और नसीहत के आगे भाजपा के नेता और कार्यकर्ता नतमस्तक हैं। 10 अप्रैल के छत्तीसगढ़ बंद में भाजपा पर संघ और विहिप का प्रभाव लोगों को समझ में आया। 9 अप्रैल की शाम को बिरनपुर की घटना को लेकर विहिप ने बंद का फैसला लिया और भाजपा के नेता-कार्यकर्ता बंद कराने के अभियान में लग गए। छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स के बंद को समर्थन दिए बिना ही भाजपा को सफलता मिल गई।

ईडी छापे पर उलझे शराब कारोबारी

कहते हैं ईडी के छापे को लेकर शराब कारोबारी आपस में उलझने लगे हैं। कहा जा रहा है शराब कारोबारी जानकारी लीक करने और ईडी तक सूचना पहुंचने को लेकर आपस में एक दूसरे पर शक कर रहे हैं। खबर है कि कुछ शराब कारोबारी खांटी कांग्रेसी हैं और मध्यप्रदेश के जमाने से कांग्रेस से उनका जुड़ाव है। कुछ कारोबारी सत्ता के साथ पाला बदलते रहे। ऐसे कुछ कारोबारी अपने साथियों के निशाने पर बताए जाते हैं। शराब के कारोबार में मनमुटाव और आपसी रंजिश कोई नई बात नहीं है। जब छत्तीसगढ़ में शराब कारोबार का सरकारीकरण नहीं हुआ था और ठेके के लिए बोली लगती थी तो तनावपूर्ण माहौल हुआ करता था। कभी -कभी कार्टेल बनाते थे , पर ज्यादा दिन चल नहीं पाता था। अब ईडी के छापे ने एक बार फिर शराब कारोबारियों में दरार पैदा कर दिया है।

रवि भोई

प्रियंका के बस्तर यात्रा के मायने

पंडित जवाहरलाल, इंदिरा गांधी , राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी बस्तर का दौरा कर चुके हैं। कहते हैं बस्तर की जनता का गांधी परिवार से सीधा जुड़ाव है। लोग प्रियंका गांधी में इंदिरा गांधी की छवि देखते हैं। ऐसे में चुनावी साल में प्रियंका गांधी के बस्तर दौरे से कांग्रेस को फायदा ही होने वाला है। प्रियंका गांधी ने बस्तर के कार्यक्रम में जिस तरह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तारीफ की, उससे निश्चित रूप से उनका कद बढ़ा और नई छवि बनी। राज्य में सरकार बनाने के लिए बस्तर में कांग्रेस की अच्छी जीत जरुरी मानी जा रही है। प्रियंका गांधी की यात्रा के बहाने बस्तर की जनता के दिलो-दिमाग में एक बार गांधी परिवार का बसना तय माना जा रहा है , जिसका फायदा 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिल सकता है।

एनडीटीवी में सेबी के पूर्व अध्यक्ष डायरेक्टर

अडानी समूह ने एनडीटीवी के बोर्ड में सुनील कुमार और अमन सिंह की जगह नई नियुक्ति कर दी है। दोनों हाल ही के महीनों में इस्तीफा दे दिया था। दोनों काफी कम दिनों के लिए एनडीटीवी के डायरेक्टर रहे। अब एनडीटीवी के डायरेक्टर और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष सेबी के पूर्व अध्यक्ष यूके सिन्हा होंगे, वहीं वेलस्पन इंडिया की एमडी और सीईओ दीपाली गोयनका को गैर-कार्यकारी स्वतंत्र महिला निदेशक नियुक्त किया गया है। अडानी समूह ने एनडीटीवी के अधिग्रहण के बाद बड़े बदलाव करते हुए छत्तीसगढ़ के ब्यूरोक्रेट सुनीलकुमार और अमनसिंह को डायरेक्टर बनाया था, लेकिन दोनों ने अपने-अपने कारणों से इस्तीफा दे दिया, उसके बाद नए डायरेक्टर बनाए गए हैं।

नई परंपरा

भूपेश सरकार ने रिटायर्ड आईपीएस डी एम अवस्थी को संविदा नियुक्ति देते हुए ईओडब्ल्यू का मुखिया बनाकर नई परंपरा की शुरुआत की है। छत्तीसगढ़ के डीजीपी रहे अवस्थी साहब 31 मार्च को रिटायर हुए। सरकार ने पहले उन्हें ओएसडी बनाया, फिर ईओडब्ल्यू के मुखिया का चार्ज सौंपा। राज्य बनने के बाद यह पहली मर्तबा है रिटायर्ड अफसर को ईओडब्ल्यू का मुखिया बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में फिलहाल ईओडब्ल्यू काफी महत्वपूर्ण हो गया है। ईओडब्ल्यू सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन आता है। याने भूपेश बघेल के राज में ईओडब्ल्यू सीधे मुख्यमंत्रो को रिपोर्ट करेगा। वैसे छत्तीसगढ़ में इन दिनों कुछ विभागों के सचिव और विभागाध्यक्ष संविदा वाले हैं।

कांग्रेस नेता के समर्थक भी ईडी के फेर में

कहते हैं ईडी के छापे की जद में आए एक कांग्रेस नेता के समर्थक भी ईडी के फेर में आ गए हैं। खबर है कि कांग्रेस नेता के समर्थकों से ईडी ने राजधानी से सटे एक जिले में जमीन की खरीदी-बिक्री के कागजात जब्त किए हैं। कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस के कुछ और बड़े नेताओं पर ईडी कार्रवाई कर सकती है। अब कार्रवाई कब होती है, यह देखना है। वैसे अभी राज्य में ईडी की कार्रवाई के चलते जेल में बंद लोगों को जमानत मिलेगी या नहीं। इस पर लोगों को ज्यादा दिलचस्पी है।

एक डीजे बने हाईकोर्ट जज,दूसरे चूके

कहते हैं छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जज के लिए कालेजियम के पास दो जिला जज का नाम गया था। इसमें दुर्ग के जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार जायसवाल हाईकोर्ट पहुंचने में सफल रहे। दूसरे जिला एवं सत्र न्यायाधीश हाईकोर्ट जज नहीं बन पाए। कहा जा रहा है कालेजियम ने उनके नाम को हरी झंडी नहीं दी।

मंत्री गुरु रूद्रकुमार की बिगड़ी तबीयत, हैदराबाद रेफर

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रूद्रकुमार की तबीयत अचानक खराब होने के बाद उन्हें हैदराबाद रेफर किया गया। बीते शुक्रवार को अपने दौरा कार्यक्रम से लौटने के बाद उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी। रूटीन चेकअप के बाद मंत्री को रायपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रायपुर में डॉक्टरी जांच में ब्लड इन्फेक्शन बताया गया है। इसके साथ ही उनके वजन में भी लगातार गिरावट आ रही थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रूद्रकुमार से टेलीफोन पर चर्चा की और उनका स्वास्थ्य का हालचाल जाना। सीएम ने मंत्री के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

शुक्रवार को लोकसभा स्पीकर चरणदास महंत भी अस्पताल पहुंचे और मंत्री से मिले। खुद रूद्रकुमार ने अपने ट्विटर हैंडल में इसकी फोटो शेयर की थी। कैबिनेट मंत्री गुरु रूद्रकुमार सतनामी समाज के गुरु हैं। गुरु रूद्रकुमार 2008 में पहली बार आरंग से विधायक चुन कर आए थे। फिर 2013 में उन्हें दोबारा मौका दिया, लेकिन वे चुनाव हार गए। 2018 विधानसभा चुनाव में मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने एससी वर्ग के लिए आरक्षित अहिवारा विधानसभा से दावेदारी की, जहां से वे जीते भी। गुरु रुद्र को 2008 में युवक कांग्रेस का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया था। यहीं से उनके एक्टिव पॉलिटिक्स की शुरुआत हुई। 2018 में विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भूपेश मंत्रीमंडल में उन्हें शामिल किया गया है।

8 भाजपा नेताओं को हेट स्पीच पर नोटिस

रायपुर। बिरनपुर मामले में कांग्रेस ने भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी। जिसके बाद आठ भाजपा नेताओं को नोटिस जारी किया गया है। वहीं इस मामले में सोमवार 17 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तक जवाब मांगा गया है। कांग्रेस ने अपने शिकायत पत्र में कहा था कि, बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में दो गुटों के झगड़ों के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेतागण लगातार धार्मिक विद्वेष भड़काने वाला बयान दे रहे हैं। भाजपा नेता जिन्हें हेट स्पीच के लिए नोटिस जारी किया गया है- 1. सुनील एस पिल्लई- प्रदेश आईटी सेल प्रभारी (बीजेपी छत्तीसगढ़ ट्विटर हैंडल) 2. संजय श्रीवास्तव -भाजपा प्रदेश प्रवक्ता 3. केदार नाथ गुप्ता -भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष, 4. योगी साहू- मंडल अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा, 5. कमल शर्मा- विभाग संयोजक भाजपा युवा मोर्चा, 6. शुभांकर -भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष डीडी नगर, 7. नंदन जैन- कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा, 8. बिट्टू पानीग्रही- भाजपा कार्यकर्ता। गौरतलब है कि बेमेतरा के बिरनपुर हिंसा के बाद प्रशासन सख्त हो गई है। लगातार सोशल मीडिया की निगरानी कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया का दुरूपयोग कर कुछ लोग हिंसा और नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर पुलिस सख्ती से कार्रवाई कर रही है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

हत्यारें हाथ काट कर ले जा रहे, पुलिस का कोई पता नहीं-कौशिक

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने बिलासपुर में हुई युवक की हत्या को लेकर प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद प्रदेश की पुलिस आज जितनी बेबस लाचार है उतनी कभी नहीं रही वजह कांग्रेस की लापरवाही है हत्या, चोरी, बलात्कार, तस्करी और नशाखोरी इस मात्रा में बड़ी हुई है कि आम लोगों का अब जीना दूभर हो गया है। अपराधी दिनदहाड़े बेरहमी से हत्या करके हाथ काट कर ले जातें हैं और पूलिस का कोई अता-पता नहीं है। श्री कौशिक ने कहा गांव गांव के साथ राजधानी व न्यायधानी की पुलिस को सख्त होना चाहिए, अपराधियों पर नकेल कसनी चाहिए। इसके विपरीत अपराधियों को देखकर पुलिस के कदम पीछे हो रहे है। उन्होनें कहा कि यह केवल अकेली घटना नहीं है पिछले साढ़े चार वर्षो में अनेक ऐसी घटनाएं घटित हुई है जो शासन व प्रशासन के लापरवाही व कुनीतियों का प्रमाण है। श्री कौशिक ने कहा सवाल यह है कि आखिर प्रदेश की सरकार व पुलिस प्रशासन कर क्या रही है? दिनदहाड़े इस तरह की हत्याएं निरंतर हो रही है और पुलिस को इसकी जानकारी ही नहीं मिल पा रही है यह समझ से परे है।

हेट स्पीच करना कांग्रेस के नेताओं का इतिहास- चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने बिरनपुर मामले में न्याय की मांग कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस जज की भूपेश सरकार की पुलिस भाजपा के कार्यकर्ताओं को तथाकथित रूप से हेट स्पीच के लिए नोटिस थमा रही है। यह इनका गजब का दोहरा चरित्र है। बॉडी लैंग्वेज से लेकर बयानों तक अगर हेट स्पीच का कोई सरगना है तो वह स्वयं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हैं। राज्यपाल से लेकर प्रधानमंत्री तक के बारे में अनर्गल और आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। इनमें जरा भी सामान्य शिष्टाचार नहीं है। संवैधानिक संस्थाओं का भद्दा मजाक उड़ाते हैं। इन के विधायक बृहस्पत सिंह सरेआम अधिकारी को पीट देते हैं और भूपेश बघेल कहते हैं कि यह आपस का मामला है। इनके मंत्री कवासी लखमा बच्चों को कुसंस्कार की शिक्षा देते हुए कहते हैं कि अगर नेता बनना है तो कलेक्टर एसपी की कॉलर पकड़ो। क्या कांग्रेस में नेता बनने की यही बुनियादी शिक्षा है कि गुंडागर्दी करो। इनकी विधायक शकुंतला साहू रेत के अवैध उत्खनन के मामले में तहसीलदार को जाकर धमकाती हैं। प्रदेश में माव लिंचिंग से एक युवक की हत्या होती है और इनके मंत्री अमरजीत भगत कहते हैं कि छोटी घटना घटी।

मुख्यमंत्री अपनी गलतियां छुपाने लोगों के अधिकारों का दमन कर रहे हैं: बृजमोहन

रायपुर। हेट स्पीच मामले में भाजपा कार्यकर्ताओं पर अपराध दर्ज किए जाने पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल डरे हुए घबराए हुए हैं। वे अपनी गलतियों को छुपाने के लिए लोगों के अधिकारों का दमन कर रहे हैं। बृजमोहन ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा किया गया पोस्ट मैंने भी देखा है। उनके पोस्ट में ऐसा कुछ नहीं है कि इसे हेट स्पीच कहा जाए या लोगों को भड़काने वाला माना जाए। परंतु वास्तविक स्थित को बयां करना कि छत्तीसगढ़ सरकार के संरक्षण में धर्मांतरण हो रहा है। वर्ग विशेष के लोगों को प्रश्रय मिल रहा है। हिंदू लड़कियों को बरगला कर और उनसे शादी करने के बाद में उनको जीवन बर्बाद किया जा रहा है। अगर दिख रहा यह सच लोग बोल रहे हैं तो यह कौन सा हेट स्पीच है? भाजपा के खिलाफ पूर्वाग्रह से कार्रवाई करने वाले अधिकारियों पर बृजमोहन ने कहा कि उन्हें यह समझ लेना चाहिए की वे दूध के धुले हुए नहीं हैं। वे सरकार की गलत बातों को सिर आंखों पर लेकर कार्य करेंगे तो हम भी केंद्र सरकार से मांग करेंगे कि जिन अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले व अन्य तरह की जांच चल रहे हैं उन पर कार्रवाई की जाए।

प्रधानमंत्री मोदी जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल के खुलासे पर जवाब दें-कांग्रेस

रायपुर। पुलवामा हमले में जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक के द्वारा उठाये गये सवालों का जवाब मोदी सरकार को देना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि देश की जनता जानना चाहती है कि पुलवामा का सच क्या है? पुलवामा हमले के तुरंत बाद जब राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने प्रधानमंत्री से इस मसले पर सवाल खड़ा किया तथा जांच को कहा तो उनसे चुप रहने को क्यों कहा गया? तत्कालीन राज्यपाल मलिक दावा कर रहे कि सीआरपीएफ ने अपने जवानों को ले जाने जहाज की मांग किया था लेकिन गृह मंत्रालय ने मना कर दिया था ऐसा क्यों हुआ? देश जानना चाहता है। सत्यपाल मलिक यह भी कह रहे कि उन्होंने प्रधानमंत्री से पुलवामा हमले के तुरंत बाद जिम कॉर्बेट पार्क में फोन पर बात किया था। उन्होंने इस मामले में चुप रहने किसी से भी बात नहीं करने को कहा था प्रधानमंत्री ने ऐसा क्यों कहा था? इसके बारे में भी देश को बताना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि पुलवामा में देश के 40 जवान वीरगति को प्राप्त हुए, शहीद हुए। पुलवामा आतंकी हमला पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा भारत की संप्रभुता पर हमला था।

डीलिस्टिंग पर भाजपा का रवैया दोहरा-कांग्रेस

रायपुर। डीलिस्टिंग के मामले में आंदोलन केंद्र सरकार के समक्ष किया जाना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि संविधान में संशोधन केंद्र का विषय है। अनुच्छेद 342 के प्रावधानों के अनुसार यह अधिकार केंद्र के पास है। भारतीय जनता पार्टी इस मामले में दोहरा चरित्र अपनाती है, वह वर्ग भेद पैदा करने के लिये इस मुद्दे को हवा देती है। जब केंद्र में उसकी पूर्ण बहुमत की सरकार है, तब वह कानून बना कर समस्या का समाधान क्यों नहीं करती? भाजपा सिर्फ वर्ग संघर्ष करवा कर अपना राजनैतिक हित साधना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जबरन धर्मांतरण को सुप्रीम कोर्ट ने देश के लिये बड़ी समस्या बताया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद केन्द्र में बैठी मोदी सरकार का यह कर्तव्य बन जाता है कि जबरन धर्मांतरण के खिलाफ वह पूरे देश में एक कानून बनाये। भारतीय जनता पार्टी धर्मांतरण को लेकर देश भर में अफवाह फैलाने और राजनीति करने का काम करती है। लेकिन जब इस मामले में ठोस पहल करने या कानून बनाने की बात आती है तब भाजपा की नीयत में खोट साफ नजर आता है। भारतीय जनता पार्टी धर्मांतरण और सांप्रदायिकता पर सिर्फ राजनीति करना चाहती है।

अप्रैल माह से ही पढ़ रही भीषण गर्मी, सड़कों पर सन्नाटा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मार्च और अप्रैल की शुरुआत में सक्रिय सिस्टम के हटते ही तापमान ने लोगों को बेहाल कर दिया है. सुबह से ही सूरज की किरणें चुभने लगी हैं. दोपहर में सड़कों पर आवाजाही कम हो गई है. बाजार में धीरे-धीरे भीड़ छंटती जा रही है. यह स्थिति तब है, जब तापमान अप्रैल के अपने अधिकतम स्तर पर नहीं पहुंचा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक राजधानी रायपुर में ही अप्रैल में अब तक का सर्वाधिक तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस रहा है. यह स्थिति 30 अप्रैल 1942 की थी. वहीं, पिछले साल 29 अप्रैल को 44.1 डिग्री सेल्सियस तापमान था. 13 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 15.4 डिग्री सेल्सियस का अंतर है. वहीं आर्द्रता 41 से 32 प्रतिशत के बीच है. हालांकि रायपुर के जलवायु लक्षण के मुताबिक यहां औसत आर्द्रता 42 से 23 प्रतिशत के बीच होती है. यानी 19 प्रतिशत का अंतर होता है. बता दें कि आर्द्रता कम होने पर ज्यादा गर्मी का अहसास होता है। राज्य के दूसरे शहरों की बात करें तो जगदलपुर में औसत आर्द्रता 56 से 36 प्रतिशत के बीच होती है. औसत अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस होता है. इसी तरह पेंड्रारोड में औसत अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस होता है. और्द्रता लगभग 34 से 24 प्रतिशत के बीच होती है। अप्रैल में सबसे गर्म रहा रायपुर रायपुर अप्रैल में सर्वाधिक तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस 2022 में 29 अप्रैल को - 44.1 डिग्री सेल्सियस बिलासपुर अप्रैल में सर्वाधिक तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस (19 अप्रैल 2010)।

रमन सिंह के समय आदिवासी और युवा डरे हुए थे - भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शनिवार को बिलासपुर में बंगाली समाज के नव वर्ष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए। रवानगी से पहले पुलिस ग्राउंड हेलीपैड पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से चर्चा की। बस्तर ब्रांड को लेकर भाजपा की ओर से दिए गए बयान पर सीएम ने पलटवार करते कहा कि बस्तर में रमन सिंह के मुख्यमंत्री बनने के बाद कोई सैलानी नहीं जाता था। बाहर के लोगों की बात छोड़ ही दीजिए, छत्तीसगढ़ के लोग ही नहीं जाते थे। वहां के आदिवासी, व्यापारी, युवा डरे हुए थे। यह पहचान उन्होंने बनाई थी। भोले-भाले आदिवासियों को जेल में ठूंसा जा रहा था, यह पहचान वहां की बनी थी। आए दिन आईडी ब्लास्ट की आवाजें देशभर में गूंजती थीं।

सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि हमने

साढ़े 4 साल में वहां आदिवासियों को जल जंगल जमीन का अधिकार दिया। उनकी जमीनें जो रमन सिंह की सरकार के दौरान छीन ली गई थी, उसे वापस कराया। परंपरागत लघुवनोपज संग्रहण खेती करते थे, उसे बढ़ावा दिया। 65 प्रकार के लघुवनोपज की खरीदी की व्यवस्था समर्थन मूल्य में की। लोगो को रोजगार से लगाया, स्वास्थ शिक्षा जैसे काम किए। लोगों को स्वास्थ्य और शिक्षा से जोड़ा। रमन सिंह के समय में वहां के लोगों के पास न जॉब कार्ड था, न आधारकार्ड था। कैम्प लगाकर बीजापुर सुकमा जिले में हजारों की तादात में हमने राशन कार्ड, आधार कार्ड और जॉब कार्ड बनवाया। बिलासपुर पहुंचकर भी सीएम बघेल ने रमन सिंह पर निशाना साधा। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में नेता मंत्री कभी सड़क मार्ग से बस्तर नहीं जाते थे। आज आप सड़क मार्ग से बस्तर जा सकते हैं। 15 साल तक नक्सलियों के कब्जे में बस्तर रहा है। हमारी सरकार ने उसको मुक्त किया। पांच सौ से ज्यादा गांव हमने नक्सलियों से मुक्त कराया। नक्सलियों को पीछे धकेला है। बस्तर क्षेत्र में सबसे ज्यादा यदि चर्च बने तो भारतीय जनता पार्टी के शासन में बने। पहले आदमी कोई धर्म स्वीकारता है फिर पूजा स्थल बनाता है। वहां चर्च बना तो पहले वहां क्रिश्चन बने। भाजपा नेताओं में 15 साल में जितना चर्च बनवाया उतना पहले कभी नहीं बना। रमन सिंह को कुछ नहीं आता है वह कुछ का कुछ बोलते रहते हैं। रमन सिंह अपनी चिंता करें अपनी पार्टी की चिंता करें। रमन सिंह नहीं करा सकते ऐसा कार्यक्रम-भरोसे का सम्मलेन को रमन सिंह की ओर से तमाशा बताए जाने पर सीएम बघेल ने पलटवार करते हुए कहा कि वे कभी ऐसा कार्यक्रम करा नहीं सकते, इसलिए उन्हें यह तमाशा लग रहा है। जबरदस्ती लोगों को ढो कर लाते थे। बंदूक की नोंक पर अपने कार्यक्रम में लाते थे। आज उन्हें हमारा सम्मलेन तमाशा लग रहा है। बस्तर में रमन सिंह को कोई पूछ नहीं रहा है। बस्तर संभाग की 12 में से 12 सीटे उनके पास से चली गई।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.